पटना ●रविवार, 08 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः239 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

खुशखबरीः बिना राशन कार्ड के भी... 3 www. bordernewsmirror.com वरूण धवन - सामंथा रूथ.. 8

...आ गए बप्पा, जबरदस्त स्वागत

गणेश चतुर्थी का पर्व पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है। हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व, भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में जाना जाता है। मुंबई से लेकर दिल्ली तक गणेश उत्सव की धूम है। पुरी के समुद्र तट पर मशहूर सैंड कलाकार सुदर्शन पटनायक ने भगवान गणेश की रेत से मूर्ति बनाकर वैश्विक शांति का संदेश दिया है। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर विशेष आयोजन किए जा रहे हैं।

प्रेम नफरत को जीतेगा और उम्मीद डर को हराएगी:राहुल

भारत जोड़ो यात्रा के दो साल पूरे होने पर बोले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे सालगिरह पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा ने साबित कर दिया कि भारतीय लोग प्रेम करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मिशन यह था कि देश के हर कोने में प्यार की आवाज सुनाई दे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भारत जोड़ो यात्रा ने मुझे मौन की खूबसूरती सिखाई। जयकारे लगाती भीड़ और नारों के बीच, मैंने शोर को अनदेखा करके अपने बगल में बैठे व्यक्ति पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की शक्ति पाई। वास्तव में सुनने की। उन 145 दिनों में और उसके बाद के दो सालों में मैंने अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए हजारों भारतीयों को सुना है। हर आवाज में ज्ञान है, मुझे कुछ नया सिखाया है और हर आवाज ने हमारी प्यारी भारत माता का प्रतिनिधित्व किया है। यात्रा ने

साबित कर दिया कि भारतीय स्वाभाविक रूप से प्रेम करने वाले लोग हैं। गांधी ने हैशटैग भारत जुड़ने तक का इस्तेमाल करते हुए कहा कि जब मैंने यह यात्रा शुरू की थी तो मैंने कहा था कि प्रेम नफरत को जीतेगा और उम्मीद डर को हराएगी, आज हमारा मिशन वही है।

भारत माता की आवाज, प्रेम की आवाज हमारे प्यारे देश के हर कोने में सुनी जाए। कांग्रेस ने भी इसकी तारीफ करते हुए कहा कि कन्याकुमारी-कश्मीर मार्च पार्टी के लिए एक बहुत बड़ा बूस्टर डोज है।

'लड़की बहन योजना' को लेकर महायुति में दरार!

शिवसेना-एनसीपी में ठनी,विज्ञापन पर बनाए नियम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना को लेकर महायुति में दरार पड़ने लगी है। शिवसेना के एक मंत्री ने इस योजना के विज्ञापनों से मुख्यमंत्री का चेहरा हटाने को लेकर अजित पवार गुट पर नाराजगी जताई है। इसके बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसके प्रचार को लेकर एसओपी का प्रस्ताव रख दिया। लड़की बहन योजना का क्रेडिट लेने के लिए महायुति के अंदर ही होड़ दिखाई दे रही है।

कुछ दिन पहले ही एनसीपी ने अजित दादा लड़की बहिन योजना के नाम से पोस्टर लगवाए थे। अब बारामती में इस योजना के प्रचार के ऐसे पोस्टर देखने को मिले जिनमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का ही चेहरा था। इसमें अजित पवार का नाम भी कहीं नहीं था। ऐसे में इस योजना को लेकर सियासत दर्म हो गई। कैबिनेट की मीटिंग में शिवसेना के मंत्री शंभुराज देसाई ने एनसीपी के प्रचार पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि इसमें आखिर मुख्यमंत्री का नाम क्यों नहीं है। देसाई ने कहा, पार्टी के सभी प्रचार में दोनों उपमुख्यमंत्रियों का भी चेहरा लगाया जाता है। एनसीपी औरर बीजेपी हमारे सहयोगी हैं। लेकन उनके प्रचार में तो मुख्यमंत्री शब्द ही हटा दिया गया। क्या इससे दिक्कत नहीं होगी। इसके बाद एनसीपी ने भी जवाब देते हुए कहा कि बजट पेश होने के बाद शिंदे के तारीफ में पूरे

राज्य में पोस्टर लगवाए गए थे। एनसीपी प्रवक्ता उमेश पाटिल ने कहा, पहले से ही योजना बना लगी गई की बजट को लेकर भी शिंदे को ही प्रमोट किया जाएगा। हालांकि इस पर हमने कुछ नहीं कहा। अब अगर सुविधा की लिहाज से नाम को छोटा कर दिया गया तो हमारे पार्टनर आपत्ति क्यों जता रहे हैं।

इस वाक्युद्ध में दखल देते हुए देवेंद्र फडणवीस ने मीडियाकर्मियों से शुक्रवार को कहा कि कैबिनेट की बैठक के दौरान इस योजना के विज्ञापन को लेकर एसओपी प्रस्तावित की गई है। इसके तहत पूरे राज्य में एक तरह के ही विज्ञापन चलाए जाएंगे।

शाह ने घाटी में फूंका बीजेपी का चुनावी बिगुल

● कहा-कांग्रेस-एनसी घाटी में वापस लाएंगे आतंक का राज ● कहा-तीन परिवारों ने लूटा, चुनावी अभियान की शुरुआत

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जम्मू कश्मीर में बीजेपी का चुनावी बिगुल फूक दिया है। जम्मू में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का आश्वासन दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन पर निशाना साधते हुए शाह ने आरोप लगाया कि वे जम्मू-कश्मीर को एक बार फिर आतंकवाद की आग में झोंकने की कोशिश कर रहे हैं जबकि सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में

आतंकवादी घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी ला दी है। शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा,नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस कभी भी जम्मू-कश्मीर में सरकार नहीं बना पाएंगे इस बारे में आश्वस्त रहें। गृह मंत्री शाह ने यह भी कहा है कि यह भारत के झंडे और संविधान के तहत होने वाले ये पहले चुनाव हैं और इसीलिए यह एक ऐतिहासिक मौका है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस पर पुरानी व्यवस्था को लागू करने की कोशिश का भी आरोप लगाया है। शाह तीन चरणों के चुनावों के लिए बीजेपी के चुनाव अभियान की शुरुआत करने के लिए आए थे।

'जम्मू-कश्मीर में 70 प्रतिशत कम हुआ आतंकवाद'

मोदी सरकार की तारीफ करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा सरकार ने क्षेत्र में आतंकवाद को 70 प्रतिशत तक कम कर दिया है और अब अमरनाथ यात्रा बिना भय के होती है। कई सालों बाद घाटी में ताजिया जुलूस निकाला गया। जम्मू-कश्मीर के लोगों को विशेष रूप से जम्मू के लोगों को यह तय करना है कि उन्हें आतंकवाद चाहिए या शांति, विकास। अगर एनसी और कांग्रेस सत्ता में आती है, तो आतंकवाद आएगा और अगर भाजपा आती है, तो कोई भी यहां घुसपैठ नहीं कर सकता है। जम्मू में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि हमें उन्हें सिर्फ हराना नहीं है, हमें उनकी जमानत जब्त करनी है। शाह ने कहा कि यह एक संयोग है कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है और हम सभी जानते हैं कि भगवान गणेश रास्ते की सभी बाधाओं को नष्ट कर देते हैं। मैं इस अवसर पर नागरिकों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। आने वाला चुनाव ऐतिहासिक चुनाव है। देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट देंगे। पहली बार, दो संविधानों के तहत नहीं, बल्कि बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान के तहत वोट डाले जाएंगे। पहली बार जम्मू-कश्मीर में कोई भी प्रधानमंत्री नहीं बैठेगा, क्योंकि यहां केवल एक ही व्यक्ति प्रधानमंत्री हो सकता है।

कांग्रेस छीनना चाहती है पहाड़ियों दलितों का आरक्षण

अमित शाह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी गुज्जर, पहाड़ी, बकरवाल और दलितों का आरक्षण छिनना चाहती है। उन्होंने कहा, राहुल बाबा चाहे जितना भी दम लगा लो हम गुज्जर, पहाड़ी, बकरवाल और दलितों के आरक्षण को हाथ नहीं लगाने देंगे। 370 हटने के बाद 70 साल के बाद जम्मू कश्मीर की महिलाओं को अधिकार मिला है। कांग्रेस एनसी ये अधिकार छिनना चाहती है। उन्होंने शुक्रवार को अपने दौरे के पहले दिन पार्टी का घोषणापत्र जारी किया और चुनावी रणनीति पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकों की अध्यक्षता भी की। शनिवार को यहां बीजेपी कार्यकर्ताओं की एक रैली में गृह मंत्री ने कहा, जम्मू-कश्मीर में आने वाले चुनाव ऐतिहासिक हैं क्योंकि आजादी के बाद पहली बार चुनाव हमारे राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के तहत हो रहे हैं।

घर में घुसकर बुजुर्ग की हत्या, मणिपुर में बवाल

5 लोगों की मौत

जिरीबाम में फिर शुरू हुई हिंसा,

कुकी व मैतेई के बीच फायरिंग में 4 की गई जान

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में फिर हिंसा भड़क गई है। जिरिबाम में शनिवार को अलग-अलग दो घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, पहली घटना जिला हेडक्वार्टर से करीब सात किलोमीटर दूर हुई। संदिग्ध पहाड़ी उग्रवादियों ने एक भीड़ ने हथियार लूटने की कोशिश की दूसरी तरफ, इंफाल वेस्ट और इंफाल ईस्ट में शुक्रवार देर रात भीड़ ने मणिपुर राइफल्स हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। गुस्साई भीड़ सुरक्षाबलों से हथियार लूटना चाहती थी। पुलिस ने सीआरपीएफ जवानों के साथ मिलकर जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने पैलेट गन से कई राउंड फायरिंग की। मॉक बम और आंसू गैस के गोले भी दागे। सुरक्षाबलों और भीड़ के बीच रातभर संघर्ष चला। 5 लोगों के घायल होने की खबर है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी तक हथियार या गोला-बारूद लूटे जाने की कोई पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, दोनों जगहों पर हिंसा में मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है। राज्य में तनाव को देखते हुए सभी स्कूलों-कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। लोगों ने यहां जनता कर्फ्यू का आह्वान किया है।

घर में घुसकर बुजुर्ग को सोते समय गोली मार दी। मृतक की पहचान कुलेंद्र सिंघा के रूप में हुई। वह घर में अकेले रहते थे। दूसरी घटना इसके बाद हुई। इसमें कुकी और मैतेई समुदायों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई। इलाके में सुबह से लगातार गोलीबारी की खबरें आ रही हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। इंफाल में मणिपुर राइफल्स हेडक्वार्टर पर हमला,

पीएम मोदी ने नेशनल टीचर अवार्ड विनर्स से की बात

तमिलनाडु टीचर से बोले-सभी को भ्रम है,वहां सब इंग्लिश जानते हैं, मातृभाषा भी जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल टीचर्स अवार्ड विनर्स से मुलाकात की। इस साल 82 शिक्षकों को यह अवार्ड दिया जाएगा। पीएम ने कहा- आज के युवाओं को विकसित भारत के लिए तैयार करने में टीचर्स की अहम जिम्मेदारी है। मोदी ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर भी चर्चा की। इस दौरान तमिलनाडु से आई एक टीचर ने बताया कि, उनके इलाके में कई लोग लोकल लैंग्वेज में पढ़ना चाहते हैं। इस पर पीएम ने कहा- हमारे बीच तो यही भ्रम है कि तमिलनाडु में सब इंग्लिश जानते होंगे। इसीलिए नई शिक्षा नीति में मातृ भाषा पर जोर दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने टीचर्स को अवार्ड दिया था राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 सितंबर को देशभर के 82 शिक्षकों को यह अवार्ड दिया था। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा था कि शिक्षकों को ऐसे नागरिक तैयार करने होंगे जो न केवल शिक्षित हों बल्कि संवेदनशील, ईमानदार और उद्यमी भी हों। उन्होंने

कहा कि जीवन में आगे बढ़ना ही सफलता है, लेकिन जीवन की सार्थकता दूसरों के कल्याण में भी है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, किसी को पढ़ाना केवल एक नौकरी नहीं है। यह मानव विकास का एक पवित्र मिशन है। अगर कोई बच्चा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता है, तो इसकी जिम्मेदारी एजुकेशन सिस्टम और टीचर्स को लेनी होती है।

सैकड़ों बीघे जमीन के बीचोंबीच भव्य बंगला

ईडी के रडार पर संदीप घोष की अकूत संपत्ति

कोलकाता (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरजी कर अस्पताल में 2021 में वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में शुक्रवार को कोलकाता और पड़ोसी जिलों में छापेमारी की। ईडी ने हॉस्पिटल के गिरफ्तार पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के घर सहित कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। ईडी के जांचकर्ता सुबह-सुबह चार समूहों में निकले और एक टीम पूर्वी कोलकाता के बेलियाघाटा में घोष के आलीशान घर पहुंची, जहां प्रवेश से पहले अधिकारियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। ईडी ने हावड़ा के सालकिया में गिरफ्तार आरोपी विक्रेता बिप्लब सिन्हा पास में रहने वाले उसके करीबी साथी कौशिक नाग और उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में घोष के करीबी सहयोगी प्रसून चटर्जी के घर की भी तलाशी ली। रिपोर्ट के मुताबिक, संदीप घोष और दूसरे संदिग्धों से कई दौर की पूछताछ के बाद एक भव्य बंगले के बारे में जानकारी मिली। दक्षिण 24 परगना जिले में घुटियारी शरीफ के नारायणपुर मौजा में कई सौ बीघे खाली जमीन है, जिसके बीच में यह कोठी बनाई गई है। संदीप घोष के इस हरे रंग के 2 मंजिला बंगले ने आरजी कर अस्पताल में वित्तीय घोटाले की

जांच को हवा दी है। इस प्रॉपर्टी का नाम संगीता संदीप विला है। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि यह आलीशान मकान घोष का है और उन्होंने उसे अपनी पत्नी व परिवार के साथ उसमें जाते देखा है।

पेरिस ओलंपिक में हुई थी साजिश...

कांग्रेस ज्वाइन करते ही विनेश फोगाट के बदले सुर

● तोड़ी चुप्पी, बोलीं-जल्द सब कुछ डिटेल में बताऊंगी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में 100 ग्राम अधिक वजन होने की वजह से मेडल से दूर रहने वाली भारतीय रेसलर विनेश फोगाट ने साजिश के आरोपों पर जवाब दिया है। कांग्रेस ज्वाइन करते ही विनेश फोगाट ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि एक दिन सब कुछ डिटेल में बताऊंगी। उसके लिए आपको थोड़ा सा सब्र रखना पड़ेगा। उसके लिए मुझे इमोशनली तैयार होना पड़ेगा। रेसलर विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। विनेश हाल ही में पेरिस में हुए ओलंपिक खेलों में कुश्ती के फाइनल मुकाबले से पहले अयोग्य करार दी गई थीं। विनेश का वजन 100 ग्राम ज्यादा पाया गया था, जिसके बाद उन्हें कोई भी मेडल नहीं मिला। कांग्रेस में शामिल होने के बाद विनेश से सवाल पूछा गया कि कांग्रेस और कई अन्य लोगों ने आरोप लगाया था कि पेरिस ओलंपिक में आपके साथ साजिश हुई। इसको लेकर आपका क्या कहना है।

इस पर विनेश ने जवाब दिया, ओलंपिक की जो आप बात कर रहे हैं, किसी दिन उस पर बात करूंगी। मेरे लिए बहुत इमोशनल चीज है। बरसों की मेहनत के बाद मैं वहां पहुंची थी। जो भी हुआ, कैसे हुआ, यह सब कुछ डिटेल में बताऊंगी। थोड़ा सा सब्र आपको रखना पड़ेगा। उसके लिए मुझे बहुत इमोशनली तैयार होना पड़ेगा, मैं उस फेज में बार-बार नहीं जाना चाहूंगी। वहीं, बीजेपी के पूर्व

सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन शोषण के आरोपों से जुड़े सवाल का भी विनेश फोगाट ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैंने बोला है कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। कोर्ट में केस चल रहा है और बीजेपी बृजभूषण को सपोर्ट कर रही है। हमारे साथ में विपक्ष खड़ा हुआ है। जब हम सड़क पर थे, तब कांग्रेस पहली पार्टी थी, जो हमारे सपोर्ट में आई थी। आज हमारा परिवार हमारे सपोर्ट में है।

इतनी बड़ी लड़ाई ताकत और हौंसले के बिना नहीं लड़ी जाती है। लड़ाई को अंजाम पर पहुंचाकर आपसे उस दिन बात करूंगी। कांग्रेस ज्वाइन करने के बाद विनेश फोगाट ने कहा कि जब बुरा समय होता है तब पता चलता है कि अपना कौन है। जब हम लोग सड़क पर घसीटे जा रहे थे, तब बीजेपी को छोड़कर बाकी पार्टियां हमारे साथ थीं। कांग्रेस को लेकर विनेश ने कहा कि मैं ऐसे दल में हूं जो महिलाओं पर हो रहे बुरे बर्ताव के खिलाफ सड़क से लेकर संसद तक लड़ती है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में फर्जी पुलिसकर्मी गिरफ्तार :नौकरी लगाने के नाम पर महिलाओं से लिए थे 6-6 हजार रुपए

पटना, एजेंसी। पटना के शास्त्रीनगर इलाके से एक फर्जी पुलिसकर्मी की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस मुख्यालय में सफाई कर्मी की नौकरी लगाने के नाम पर 5 महिलाओं से 6-6 हजार रुपए लिए थे। पीड़ित महिलाओं के शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है। तलाशी के दौरान पुलिस की वर्दी, लाल जूता, टोपी और बैच बरामद हुआ है। आरोपी के पास से एक मोबाइल भी मिला है। इस धंधे और कौन-कौन लोग शामिल है। कितने लोगों से ठगी हुई है। इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है। आरोपी विद्या भूषण राय मनेर थाना क्षेत्र के सिंघाड़ा का रहने वाला है। विद्या भूषण ने बिंद टोला निवासी विमला देवी समेत 5 महिलाओं को बताया था कि पुलिस मुख्यालय पटेल भवन में ड्यूटी करते हैं। वहां साफ-सफाई और माली के लिए वेकैंसी है। जिसके बाद सभी ने 6-6 हजार रुपए नौकरी लगाने के लिए दिया था। पैसे लेने के बाद जब नौकरी नहीं लगी तब महिलाओं ने इसकी शिकायत शास्त्रीनगर थाने में की। जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ है।

मोहल्ले में गोलीबारी पर एफआईआर दर्ज, वारदात के बाद बदमाश फरार

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा के टाउन थाना क्षेत्र के मिल्की मोहल्ले में मो. शमीम अंसारी को गोली मारी गई थी। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। घायल के बयान पर मिल्की मोहल्ला निवासी सोहेल खान उर्फ बास को नामजद और अज्ञात को आरोपी बनाया गया है। सभी फरार हैं। पुलिस इनकी गिरफ्तारी में जुटी है। घायल ने पुलिस को बताया कि 4 सितंबर शाम घर के बाहर शोर हो रहा था। देखा तो मस्जिद के पास मेरे भतीजा मो. फैज के साथ मारपीट की जा रही थी। मैं वहां गया और मामले को शांत कराया। इसके बाद सोहेल खा अपने अन्य चार साथियों के साथ फिर से आया और फायरिंग शुरू कर दी। गोली हथेली में लगकर निकल गई। इसके बाद सभी फरार हो गए। मुझे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने नामजद और अज्ञात अपराधियों की तलाश शुरू कर दी है। गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। अज्ञात लोगों को भी चिह्नित करने का प्रयास किया जा रहा है।

नहाने के दौरान टूट कर गिरा तार, युवक की मौत

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा के कोरमा थाना क्षेत्र के गगौर गांव में करंट लगने से एक 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान उपेंद्र ठाकुर के बेटे रंजन कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की रात वह नहाने गए थे। इसी दौरान हाईवोल्टेज तार टूटकर उसके शरीर पर गिर गया। जिससे वह बुरी तरह से झुलस गया। आनन-फानन में उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल शेखपुरा लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची कोरमा थाने की पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक गांव में ही मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण किया करता था। मृतक पांच सहोदर भाइयों में सबसे छोटा भाई था। कोरमा थानाध्यक्ष सह पुलिस सब इंस्पेक्टर आयुष कुमार ने बताया कि युवक की मौत बिजली का करंट लगने से हुई है। उन्होंने कहा कि उसके शव को पोस्टमॉर्टम हेतु भेजा गया है। इस संबंध में लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं को ग्राउंड में रहने का निर्देश

बीजेपी कार्यालय में देर रात 12 बजे तक चली कोर कमेटी की बैठक, अश्विनी चौबे भी रहे मौजूद

पटना, एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा दो दिवसीय बिहार दौरे पर हैं। पहले दिन शुक्रवार को 850 करोड़ की अलग-अलग योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। इसके बाद देर रात करीब 3 घंटे तक प्रदेश कार्यालय में बीजेपी नेताओं के साथ बैठक की। बंद कमरे में रात करीब 9 बजे से 12 बजे तक मीटिंग चली। जिसमें पार्टी के तमाम बड़े नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बड़ी बात यह कि नाराज चल रहे पार्टी के सीनियर लीडर अश्विनी चौबे भी इसमें शामिल हुए। इस दौरान कोर कमेटी और सदस्यता अभियान कमेटी की अलग-अलग मीटिंग हुई। आम जनता को कैसे बीजेपी से जोड़ना है और एक करोड़ सदस्य बनाने के लक्ष्य को किस तरह से पूरा करना है। इस संबंध में उन्होंने टिप्स दिए।

बंद कमरे में हुई बैठक

कोर कमेटी की मीटिंग में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनी। चुनाव को लेकर किस तरह से तैयारी करनी है, इस पर कार्यकर्ताओं जानकारी दी। जेपी नड्डा ने यह संदेश दिया कि अगर ऐसी परिस्थिति बनी, जिसमें समय से पहले विधानसभा चुनाव होता है तो उसके लिए हमें पहले से तैयार रहना होगा। सभी नेताओं को अपने क्षेत्र में अभी से एक्टिव रहने की जरूरत है। केंद्र सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना होगा। जिन लोगों को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, उन्हें भी उन योजनाओं से जोड़ना होगा।

एनडीए में एकजुटता बनाए रखने का दिया संदेश

सूत्रों की मानें तो कोर कमेटी की बैठक के दौरान सभी नेताओं को स्पष्ट संदेश दिया कि एनडीए में एकजुटता बनी रहनी चाहिए। विधानसभा चुनाव में एनडीए को एकजुट होकर मजबूती से चुनाव लड़ना है, ताकि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बना सके।

सदस्यता अभियान कमेटी की मीटिंग में एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। जिसकी शुरुआत 2 सितंबर से हुई है। अभी पूरे बिहार में बीजेपी के 35 लाख सदस्य हैं। नड्?डा ने साफ तौर पर कहा है कि हर हाल में 35 लाख के अलावा 1 करोड़ नए लोगों को पार्टी से जोड़ना है। ताकि आगामी विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ सके। इसके लिए प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर लोगों को भाजपा से जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। कार्यकर्ताओं के अलावा जो केंद्रीय मंत्री हैं, उनको भी बिहार में अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर सदस्यता अभियान चलाने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अश्विनी चौबे ने जताई नाराजगी

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे का लोकसभा चुनाव के दौरान बक्सर से टिकट कटने के बाद से न केवल पार्टी बल्कि शासन-प्रशासन भी उन्हें भूलने लगा है। मामला भागलपुर में करीब 200 करोड़ से बने सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल के उद्घाटन समारोह से जुड़ा है। अश्विनी चौबे को समारोह के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। इससे वे आहत हैं। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार को पत्र लिखा है। इसमें उनका फिर एक बार दर्द छलका।

अश्विनी कुमार चौबे ने लेटर में लिखा- अपार कष्ट में हूं, खैर... समय बड़ा बलवान होता है। जिस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के शिलान्यास से लेकर बनने तक लगातार निगरानी और निरीक्षण तत्कालीन मंत्री व पूर्व मंत्री के रूप में चौबे करते रहे हैं। पीएम मोदी के शिलान्यास वाले शिलापट्ट मेन गेट पर रहने दिया जाता। 17 फरवरी, 2019 को बेगूसराय से पीएम, तत्कालीन राज्यपाल लालजी टंडन, पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी समेत मैं खुद भी वहां शामिल हुआ था। इसके बाद भी मेरा नाम उद्घाटन में नहीं रहना आहत करता है।

जेपी की मैराथन के पीछे की वजह क्या है ?

लोकसभा चुनाव-2024 में बिहार में एनडीए 30 सीटों पर सिमट कर रह गई है। 10 सीटों का नुकसान हुआ है। 5 सीटों पर जीत दर्ज करने वाली लोजपा(रा.) और 12 सीट जीतकर जेडीयू ताकतवर बनकर उभरी है।

यूपीएससी में लेटरल एंट्री और जाति गणना पर चिराग पासवान के सुर अलग हैं। बिहार में एनडीए की सरकार नीतीश कुमार के भरोसे पर चल रही है। केंद्र में भी जेडीयू को 2-2 मंत्रालय मिला है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल भी सीएम नीतीश की तारीफ कर चुके हैं। ऐसे में बीजेपी अपनी स्थिति मजबूत रखना चाहती है।

3 सितंबर को सूचना आयोग में नियुक्ति को लेकर मीटिंग हुई थी। जिसमें सीएम नीतीश कुमार के साथ नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी शामिल हुए थे। जिसके बाद से चर्चाओं का बाजार गर्म था। हालांकि जेडीयू नेताओं का स्पष्ट तौर पर कहना है कि जिनको जो सोचना है, सोचिए। बिहार में एनडीए पूरी तरह से एकजुट है। आगामी विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ेंगे।

पटना में नकली पैकिंग कर खाद्य सामग्री बेचने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़, छापामारी के बाद मालिक फरार

पटना, एजेंसी। पटना जिले के बख्तियारपुर थानाक्षेत्र के दिदौर इलाके में पुलिस ने नकली फार्म चलाने वालों का भंडाफोड़ किया है। यहां कई नामी कंपनियों के नाम पर उत्पादों की नकली ब्रांडिंग की जाती थी। पुलिस ने घटनास्थल से आटा, चोकर और अन्य ब्रांड का माल जब्त किया है।

नई बोरी मंगवा कर करते थे ब्रांड की कॉपी

पुलिस को छापामारी के दौरान जांच में पता चला कि पूजा इंटरप्राइजेज का प्रोपराइटर कृति आटा आरवी इंटरप्राइजेज के नाम से फार्म चला रहा है, जो पटना सिटी के मालसलामी थानाक्षेत्र के आता है। यह फैक्टरी काफी पुरानी है और यहां से आटा पूरे बिहार में सप्लाई किया जाता है। कंपनी को शिकायत मिली थी कि उनके आटे का नकली ब्रांड बनाकर बाजार में बेचा जा रहा है। जब कंपनी के लोगों ने इस बात की तहकीकात की तो पता चला कि पैकेट पर खुद की छपाई कर उसमें आटा भरकर बेचा जा रहा है, जिससे कंपनी को काफी नुकसान हो रहा है। इसे लेकर कंपनी के निदेशक राजीव कुमार ने बख्तियारपुर थाने पहुंचकर इसकी लिखित सूचना दी। उसके बाद बख्तियारपुर थाना पुलिस ने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर छापामारी की तो देखकर दंग रह गए। उन्होंने देखा कि भारी मात्रा में नकली खाने-पीने के समान में हेराफेरी की जा रही है। यह देख छापामारी के दौरान मौके पर स्थानीय लोग बड़ी तादाद में जुट गए। फिर पुलिस ने पूजा इंटरप्राइजेज के लड़के को पकड़ा तो उन्हें छुड़ाने में भी लग गए। पुलिस ने कहा कि जो उनके मालिक हैं उन्हें बुलाया जाए, लेकिन मालिक फरार हो चुके थे। पुलिस पूछताछ के लिए उनके बेटे को थाने ले गई और मामले की जांच में जुट गई।

कंपनी को हो रहा था भारी नुकसान

आरवी इंटरप्राइजेज के निदेशक राजीव कुमार ने बताया कि छापामारी के दौरान देखा गया कि लाखों का माल पड़ा है और घर में इन लोगों द्वारा निर्माण किया जाता है। स्थानीय लोगों ने भी दबी जुबान से कहा कि यहां बाहर से लोकल कंपनी का चोकर मंगाया जाता है। फिर उसमें भूसी और अन्य सामग्री मिलाकर यहां बोरी में पैक कर बेचा जाता है। उन्होंने कहा कि छापामारी के बाद पुलिस इस मामले में तहकीकात कर रही है। पुलिस से पूछताछ करने पर कहा कि अभी जांच चल रही है, मामले को लेकर पुलिस जांच में जुटी है। फिलहाल जांच के बाद ही पूरी जानकारी दी जाएगी।

मुजफ्फरपुर में सियार का आतंक, अब तक 12 से ज्यादा लोगों को काटकर किया घायल

ग्रामीणों में दहशत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के शेरपुर पंचायत के बंगरा गांव में सियार ने आतंक मचाया हुआ है। यहां सियार ने अब तक 12 से ज्यादा लोगों को काट कर घायल कर दिया है। पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। घायलों में से कई लोगों को सदर अस्पताल और निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। वन विभाग की टीम उक्त जानवर को रेस्क्यू करने में जुटी हुई है। दरअसल, बीते दो दिनों से जिले के सदर थानाक्षेत्र के शेरपुर पंचायत इलाके के बंगरा गांव में एक जानवर के आतंक से लोगों में दहशत बनी हुई है। आलम यह है कि सियार ने अब तक चार बच्चों सहित 12 से अधिक लोगों को काट कर घायल कर दिया है, जिसके बाद से पूरे इलाके के लोग डरे-सहमे हुए हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद से जिले की वन विभाग की टीम ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसको लेकर पूरे गांव और खेतों में कई पिंजड़े लगाए जा रहे हैं, ताकि सियार को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। स्थानीय ग्रामीण रितेश कुमार ने बताया कि पिछले दो दिनों में एक जानवर ने 12 से अधिक लोगों को काट कर घायल कर दिया है। यह जानवर कुत्ते जैसा दिखता है और लगता है कि जैसे सियार है। यह कोई भेड़िया नहीं है और इसकी वजह से पूरे इलाके में दहशत बनी हुई है। इससे लोग काफी डरे-सहमे हैं। वहीं, सियार के आतंक के कारण गांव के कई बच्चे स्कूल भी नहीं जा रहे हैं।

गोपालगंज में एक अस्पताल कर्मी की संदिग्ध मौत, निजी क्लीनिक में पंखे से लटका मिला शव

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज शहर के अंबेडकर चौक पर एक निजी क्लीनिक में काम करने वाले एक युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई है। अस्पताल कर्मी का शव क्लीनिक में ही पंखे से लटका हुआ मिला, जिसको लेकर परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। हालांकि नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले चुकी है और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया चल रही है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान नगर थानाक्षेत्र के चैनपट्टी गांव निवासी दिवंगत शिवपूजन मांझी के बेटे ईश्वर मांझी के रूप में हुई है। ईश्वर मांझी अंबेडकर चौक के पास स्थित एक निजी क्लीनिक में काम करता था। परिजनों के अनुसार ईश्वर मांझी रात को ड्यूटी करने के लिए गया था, लेकिन अहले सुबह उसका शव क्लीनिक में ही पंखे से लटका हुआ मिला। उसके बाद वहां के स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी परिजनों को दी थी। उसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। सुबह पुलिस ने भी शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए शव को सदर अस्पताल भेजकर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। बताया जा रहा है कि ईश्वर मांझी के छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनके सर से पिता का साया उठ गया है।

फटा नोट देने पर दुकानदार ने चाकू से गोदा, मौत, आरोपी गिरफ्तार

मधुबनी में 10 रुपए को लेकर हुआ था विवाद

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी के फुलपरास थाना क्षेत्र के मुरली गाँव में एक दुकानदार के बेटे ने एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दिया। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि युवक दुकान पर नाश्ता करने आया था। जहां उसने नाश्ता करने के बाद दुकानदार को एक दस का फटा नोट दिया। जिसे दुकानदार ने लेने से मना कर दिया।

जिसे लेकर दोनों के बीच बहस हो गई। इसी विवाद में उसके बेटे ने गुस्से में आकर युवक के पेट पर दो से तीन बार चाकू से वॉर कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मुरली गाँव के राहुल कुमार(20) के रूप में हुई है। वहीं पुलिस ने आरोपी राजीव को गिरफ्तार कर लिया है।

दस रुपए के विवाद में मारा चाकू

मृतक के चाचा ने बताया कि राहुल चौक पर नाश्ता करने आया था। जहां नाश्ता करने के बाद दुकानदार ने उससे 30 रुपए की मांग की। जिसके बाद राहुल ने उसे एक बीस और दूसरा दस का नोट दिया। जिसमें दस का नोट थोड़ा फटा था। जिसे दुकानदार ने लेने से मना कर दिया। जिसे लेकर राहुल ने पूछा तो दुकानदार का बेटा उससे उलझ गया। इसी बीच दोनों में विवाद हो गया।

जिसके बाद उसने गुस्से में आकर राहुल के पेट में चाकू मार दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वही घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे सदर अस्पताल लाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृतक घोषित कर दिया। जिसके बाद उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

इस मामले में पांच लोगों पर प्राथमिक दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है, जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

1 दिन में डेंगू के 80 केस, आंकड़ा 1000 के पार: बिहार में अब तक 6 मौतें

एक्सपर्ट बोले-वायरल फीवर समझ कर लापरवाही कर रहे लोग

पटना, एजेंसी। बिहार में डेंगू का खतरनाक ट्रेंड सामने आया है। संक्रमण के 7 दिन के अंदर ही ये पेशेंट को काफी कमजोर कर रहा है, जिससे मरीजों की मौत हो रही है। 24 घंटे के अंदर दो मरीजों की मौत ने स्वास्थ्य विभाग को भी चिंता में डाल दिया है। इस सीजन में पहली बार 6 सितंबर को एक दिन में 80 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिसमें सबसे ज्यादा पटना में 38 लोग डेंगू से संक्रमित पाए गए हैं। सरकारी आंकड़ों में अब तक बिहार में डेंगू के 1006 केस सामने आए हैं, जिसमें 6 की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है, इसके बाद भी मरीजों की संख्या कम नहीं हो रही है।

सीनियर फिजिशियन डॉ. राणा एसपी सिंह बताते हैं कि ज्यादातर मौतें इंटरनल ब्लीडिंग के कारण हुई है। इस बार संक्रमण की दर काफी तेज है। संक्रमण को लोग वायरल फीवर मान ले रहे हैं। इस कारण से कई दिनों तक बुखार ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं। जब तक हॉस्पिटल पहुंच रहे हैं, हालत खराब हो जा रही है।

संक्रमण के 7 दिन में मौत

गर्दनीबाग की रहने वाली 57 साल की पूनम सिन्हा डेंगू से संक्रमित हुई थी। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद घर वालों ने 31 अगस्त को पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। कम समय में ही पूनम को डेंगू ने कमजोर कर दिया। हालत ऐसी हो गई कि उन्हें इमरजेंसी के आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। डॉक्टरों के प्रयास के बाद भी उनका प्लेटलेट्स तेजी से डाउन हुआ और इलाज के दौरान कल उनकी मौत हो गई। समस्तीपुर के हेल्थ वर्कर राम लक्ष्मण दास को भी 7 दिन पहले डेंगू का संक्रमण हुआ था। 5 दिन में ही वह इतना कमजोर हो गए कि बेहोश हो गए। इलाज के लिए घर वाले बेगूसराय ले गए, लेकिन हालत बिगड़ती गई। डॉक्टरों ने रेफर कर दिया, जिसके बाद पटना के मेदांता में भर्ती कराया गया। इंटरनल ब्लीडिंग के कारण गुरुवार देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया।

इंटरनल ब्लीडिंग से हो रही मौतें

अब तक डेंगू से जो भी मौत हो रही है, इसमें इंटरनल ब्लीडिंग का मामला सामने आ रहा है। यानी डेंगू का ढ्ढद्धरूरिएक्टिव पाया जा रहा है। 31 अगस्त को पीएमसीएच में डेंगू पीड़ित 40 साल के युवक अशोक गिरी की मौत भी इंटरनल ब्लीडिंग के कारण हुई है। जहानाबाद के रहने वाले अशोक गिरी पीएमसीएच में 25 अगस्त को एडमिट हुए थे। 5 ही दिन में मौत हो गई। 29 अगस्त को एनएमसीएच में 16 साल के आर्यन की मौत भी डेंगू के संक्रमण से हुए इंटरनल ब्लीडिंग से हुई है। 26 अगस्त की रात नौबतपुर के आर्यन को एनएमसीएच में भर्ती कराया गया था। प्लेटलेट्स लगातार कम होने से हालत बिगड़ गई थी। उन्हें पहले से ही पीलिया था।

सिर्फ 4 ही दिन में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। ऐसे ही 70 साल बुजुर्ग रामा की मौत पटना मेडिकल कॉलेज में इंटरनल ब्लीडिंग से हुई थी। रागिनी की मौत भी निजी अस्पताल में इंटरनल ब्लीडिंग के कारण हुई थी।

संक्रमण की रफ्तार डराने वाली

डेंगू का सीजन जनवरी से ही शुरू हो जाता है, लेकिन मानसून खत्म होते ही इसमें तेजी आती है। जब तक मौसम ठंडा नहीं हो जाता तब तक इसका असर रहता है। कम बरसात होने के कारण भी डेंगू की रफ्तार तेजी से बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों की बात करें तो अब तक जनवरी से 6 सितंबर तक 1006 लोग संक्रमित हुए हैं। पटना में 459 लोगों में डेंगू पाया गया है। राज्य में जिला की बात करें तो पटना डेंगू का हॉटस्पॉट बना हुआ है। दूसरे नंबर पर गया है, जहां अब तक 54 केस सामने आए हैं। मुजफ्फरपुर 53, समस्तीपुर 46, नालंदा 39, वैशाली 28 और पूर्णिया में 28 मामले आए हैं।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

खुशखबरीः बिना राशन कार्ड के भी आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं का बनेगा आयुष्मान कार्ड

- आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाएं- डीएम सौरभ जोरवाल
- एप्प के माध्यम से स्मार्ट फ़ोन पर खुद ही ले सकते है मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ - डीपीसी जयंत कुमार
- 5 लाख रूपये तक के मुफ्त उपचार का उठाएं लाभ
- जिले के 20 सरकारी एवं 09 प्राइवेट संस्थानों में उपलब्ध है मुफ्त इलाज की सुविधा

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के समाहरणालय कक्ष में शनिवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति के अधिकारियों व आयुष्मान भारत के जिला प्रतिनिधि की बैठक आयोजित की गईं जिसमें डीएम ने आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने का निर्देश देते हुए जिले में चल रहें कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान आयुष्मान भारत के डीपीसी जयंत कुमार ने बताया की पहले जिले के आम राशन कार्ड धारियों को प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभुक बनाया जाता था। परन्तु बिहार सरकार के नए फरमान के अनुसार एक खुशखबरी मिली है की राज्य समेत जिले भर के वैसी आशा व आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका जिनका आयुष्मान कार्ड अब तक नहीं बन पाया है, अपना खुद का आयुष्मान कार्ड खुद अपने ही स्मार्ट फ़ोन पर एप्प के माध्यम से बना सकती है, एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ (5 लाख रूपये तक के मुफ्त उपचार) ले सकती है। वहीं जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में दोपहर 2 बजे से योग्य व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है ये बातें जिले के आयुष्मान भारत के डीपीसी जयंत कुमार ने बताई है। उन्होंने कहा की इस योजना के अन्तर्गत जिले के 20 सरकारी एवं 09 प्राइवेट संस्थानों में मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध है। डीपीसी जयंत कुमार ने बताया की योजना का लाभ देश के किसी भी सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों में लिया जा सकता हैं। देशभर में 28000 से ज्यादा सरकारी एवं निजी अस्पताल योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं। यह योजना सार्वजनिक व निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में भर्ती और उपचार के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का कवर प्रदान करता हैं। लाभार्थी को अस्पताल में कैशलेश स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाती हैं। इसके अंतर्गत अस्पताल में भर्ती होने से होने से 3 दिन पूर्व और और अस्पताल से डिस्चार्ज होने के 15 दिन बाद तक का इलाज एवं दवाओं का खर्च शामिल है। वहीं सेवाओं में उपचार, दवाई, जांच, भोजन, ओटी, आईसीयू शामिल है।

28 प्रतिशत लोगों ने अब तक बनवाया है आयुष्मान कार्डः जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बताया की आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए लोगों को समाचार पत्रों, शोशल मिडिया, टेलीविजन के द्वारा प्रचार प्रसार कर जागरूक किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग इस कार्ड को बनवाकर इस योजना का लाभ ले सकें। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 14455 या 104 पर कॉल करें। वहीं डीपीसी जयंत कुमार ने बताया की पूर्वी चम्पारण जिले में 09 लाख 15 हजार परिवार है जिनमें 06 लाख परिवार के 12 लाख 80 हजार 959 कुल 28.33 प्रतिशत लोगों ने आयुष्मान कार्ड बनवा लिया है।

आयुष्मान कार्ड (गोल्डन कार्ड) खुद से बनाने का लिंक - https://beneficiary.nha.gov.in

मोबाइल APP का लिंक- https://play.google.com/store/apps/details?id=com.beneficiaryapp&pcampaignid=web_share

आयुष्मान लाभार्थी अब अपना आयुष्मान कार्ड (गोल्डन कार्ड) खुद से बना सकते हैं। इसके अलावा आप किसी भी वसुधा केंद्र (साइबर कैफे) या अपने पंचायत के कार्यापालक सहायक के द्वारा भी बनवा सकते हैं।

कार्ड बनाने हेतु वीडियो का लिंक -https://youtu.be/FPURyFO_Yvs?si=nsjl0gu6U29Rl1bU

कृप्या इसे अधिक से अधिक शेयर करें। मौके पर डीडीसी समीर सौरभ, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, अनुश्रवण पदाधिकारी अमानुल्लाह अमन, महामारी पदाधिकारी डॉ. राहुल राज व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सोमेश्वरनाथ महोत्सव (अरेराज) का होगा भव्य आयोजनः जिलाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

सोमेश्वरनाथ महोत्सव-2024 के आयोजन को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में शनिवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में विधायक गोविंदगंज सुनील मणि तिवारी, एसडीएम अरेराज, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, उप समाहर्ता जिला नजारत, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिलाधिकारी के विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा सोमेश्वरनाथ महोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। इस बैठक में जिलाधिकारी को बताया गया कि यह महोत्सव अनंत चतुर्दशी के अवसर पर आयोजित किया जाता है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि महोत्सव की तिथि निर्धारित कर ली जाए और महोत्सव की गरिमा के अनुकूल तैयारी की जाए। उन्होंने कहा कि आयोजन को लेकर विज्ञापन के द्वारा इवेंट मैनेजर तय कर लिया जाए और उसी के माध्यम से कार्यों को संपन्न कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि महोत्सव के लिए अच्छे कलाकारों का चयन किया जाए जिसमे स्थानीय कलाकारों को भी अवसर प्रदान किया जाए। कलाकारों के चयन में विधायक से भी परामर्श कर लेने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी को बताया गया कि महोत्सव दो दिनों की होती है और इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। जिस पर डीएम के द्वारा कहा गया कि भीड़ का पूर्व से ही आकलन कर विधि व्यवस्था के मद्देनजर तैयारी कर ली जाए। बैठक में उपस्थित विधायक गोविंदगंज सुनील मणि तिवारी ने कहा कि महोत्सव का प्रचार-प्रसार अधिक से अधिक कराई जाए ताकि लोगों को इसकी जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल के पास कुछ स्थाई चापाकल भी लगवा दिया जाए ताकि लोगों को पेयजल की सुविधा मिल सके। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि सोमवार दिनांक 9.9.2024 को सोमेश्वरनाथ महोत्सव से जुड़ी हुई समितियों की बैठक बुलाई गई है जिसमें सभी विषयों पर चर्चा कर कार्यों को गति दी जाएगी।

जाली नोट के तस्करो ने किये चौकाने वाले खुलासे, जांच में जुटी सुरक्षा एजेंसी

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के बंजरिया थाना क्षेत्र में करीब दो लाख भारतीय जाली नोट के साथ पकड़े गये तीन तस्करों ने पुलिस के सामने चौकाने वाले खुलासा किया है। तीनों ने बताया है कि इससे पहले जाली नोट की तीन बड़ी खेप जम्मू कश्मीर तक पहुंचा चुके हैं। ये लोग चौथी बार नेपाल से जाली नोट की खेप लेकर मोतिहारी के रास्ते दिल्ली जा रहे थे। वहां से जम्मू कश्मीर पहुंच जाली नोट की डिलीवरी देना था। एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि गिरफ्तार जाली नोट के तस्करों में भागलपुर इशाकचक का रहने वाला मो. नजरे शमसाद, भोजपुर सहार का रहने वाला मो वारिस व पटना सिगोरी का मो. जाकीर हुसैन शामिल है। तीनों के पास से पांच सौ की शक्ल में 390 पीस भारतीय जाली नोट, चोरी की एक बाइक व काला रंग का पिट्ठू बैग मिला है। एसपी ने बताया कि तीनो तस्करो की गिरफ्तार खुफिया इनपुट के बाद जाल बिछाकर किया गया।इनकी गिरफ्तारी

के लिए रक्सौल रामगढवा सुगौली व बंजरिया तक सादे लिबास में पुलिस अधिकारियो को लगाया गया था। इस दौरान बंजरिया के खड़वा पुल के पास एक बाइक पर सवार तीन संदिग्ध युवकों को रोका गया। उनके पास एक पिट्ठू बैग की तलाशी ली गयी तो पांच-पांच सौ के 390 पीस नोट बरामद हुआ। बरामद नोट की जांच-पड़ताल की गयी तो वह नकली था।तीनों तस्करों के विरुद्ध बंजरिया थाने में प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छापेमारी में सदर एएसपी शिखर चौधरी, बंजरिया थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान, दारोगा कामेश्वर सिंह, संजय कुमार यादव, त्रिभुवन कुमार,किशन कुमार पासवान, जमादार भानू प्रताप दूबे, परमानंद ठाकुर, जिलाआसूचना इकाई के दारोगा अम्बेश कुमार, सिपाही लव कुमार, शिव शंकर, अविनाश कुमार सहित अन्य शामिल थे।एसपी ने बताया कि तस्करो ने बताया कि ये लोग जम्मू कश्मीर के सरफराज नामक व्यक्ति को नोट की डिलीवरी देने वाले थे।सरफराज का पाकिस्तान से कनेक्शन है। इंडो-पाक सीमा पर चौकसी के बाद यह जाली नोट पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते मंगवाता है, फिर नेपाल की खुली सीमा का लाभ लेकर आसानी से जाली नोट भारत के अन्य राज्यो में फैलाता है। तीनो तस्करों ने बताया है, कि अब तक दस लाख से ज्यादा भारतीय जाली नोट जम्मु कश्मीर तक पहुंचा चुके है। तस्करो ने बताया कि नेपाल में रहने वाले दो शख्स के पास पाकिस्तान से जाली नोट पहुंचता है। हर बार की तरह इस बार भी नेपाल में उन्हीं दोनों ने जाली नोट दिया थ। उल्लेखनीय है,कि तीनों तस्करों के पास से बरामद जाली नोट उच्च क्वालिटी के है।जिसे आसानी से पकड़ पाना मुश्किल है। एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि एनआईए, आइबी व आर्मी इंटेलिजेंस की टीम ने इन तस्करो से पूछताछ की है, जिससे मिले इनपुट के बाद कश्मीर में बैठे सरफराज समेत जाली नोट के सिंडिकेट के विरूद्ध कारवाई करेगी।

अधिवक्ता सुनिल ठाकुर के हत्या का मुख्य आरोपी पहुँचा सलाखों के पीछे

बीएनएम। मोतिहारी

अधिवक्ता सुनील ठाकुर हत्याकांड का मुख्य आरोपी सुजीत कुमार पुलिस के बढ़ते हुए दबाव के कारण मोतिहारी सिविल कोर्ट में अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-6 के न्यायालय में आत्म-समर्पण कर दिया। इस बावत जानकारी देते हुए सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शिखर चौधरी ने कहा कि मामले में लगातार पुलिस दबाव बना रही थी, जिसके कारण तुरकौलिया थाना कांड संख्या-374 /24 के मुख्य अभियुक्त सुजीत कुमार को आत्म-समर्पण करना पड़ा, वहीं एक और अन्य अपराधी की तलाश में पुलिस प्रयासरत है। मुख्य आरोपी के सलाखों के पीछे जाते हीं न्याय की आश लगाए हुए अधिवक्ता समाज में आशा के किरण जगी वहीं जिला बार एसोसिएशन के महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी उर्फ पप्पू दुबे ने कहा कि जिला बार एसोसिएशन की कमेटी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयासरत थी। इस बाबत पुलिस अधीक्षक मोतिहारी

को लिखित आवेदन देकर भी जिला बार एसोसिएशन ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी और अब पुलिसिया दबिश के कारण मुख्य आरोपी का जेल जाना एक अच्छी खबर है। इससे लोगों का कानून के प्रति विश्वास और बढ़ेगा। महासचिव श्री दुबे ने जिला पुलिस कप्तान, सहायक पुलिस अधीक्षक सहित थानाध्यक्ष तुरकौलिया को उक्त दबिश के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आशा है एक और बचे हुए अपराधी की गिरफ्तारी भी जल्द से जल्द होगी। ज्ञात हो कि बीते 26 अगस्त को आरोपियों के द्वारा अधिवक्ता सुनील ठाकुर के सिर पर जानलेवा प्रहार किया गया जिससे वह अति गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें मोतिहारी के एक अस्पताल में भर्ती किया गया जहां उनकी स्थिति को और गंभीर देखते हुए उन्हें पटना रेफर कर दिया गया जहाँ 28 अगस्त को उनकी मृत्यु हो गई। उसके बाद अधिवक्ताओं में उक्त अपराध के प्रति गुस्से का माहौल था। अधिवक्ताओं ने जिला बार एसोसिएशन के महासचिव श्री दूबे के साथ एक प्रतिनिधि मंडल बनाकर वरीय पुलिस पदाधिकारी से मिलकर आवेदन सौंपा जिसमें पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता राकेश ठाकुर सहित सिविल कोर्ट मोतिहारी के अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह, हरेश्वर सिंह, चंद्रलोकी मिश्रा आलोक चंद्रा, शिवलाल सहनी, सूरज मिश्रा, पवन कुमार, बाबुल पांडेय, संतोष सिंह, विवेक द्विवेदी, एस.के.पंकज सहित अन्य अधिवक्ता शामिल थे।

एसएसबी ने राजस्थान की नाबालिग लड़की का किया रेस्क्यू

बीएनएम। मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा में तैनात एसएसबी 47वीं वाहिनी की मानव तस्करी रोधी ईकाई के जवानो ने शनिवार को मैत्री पुल से एक राजस्थान की नाबालिग लड़की को रेस्क्यू करते हुए उसे मानव तस्कर की चंगुल से मुक्त कराया है। बताया गया है, कि उक्त लड़की मानव तस्करो के चंगुल में फंसकर राजस्थान से नेपाल जा रही थी। इस मामले में नाबालिग लड़की को बरामद करते हुए आरोपी मानव तस्कर युवक को हरैया थाना को सौंप दिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए एसएसबी मानव तस्करी रोधी ईकाई के निरीक्षक सीआर बेनीवाल ने बताया कि लड़के ने पहले लड़की को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रेम के जाल में फंसाया और इसके बाद राजस्थान से इसे नेपाल लेकर जा रहा था, लेकिन उससे पहले ही इसकी गिरफ्तारी रक्सौल बॉर्डर पर कर ली गयी। दोनों राजस्थान के झुंनझूनु जिला के रहने वाले है। इधर, लड़की के अपहरण को लेकर इसके परिजनों ने राजस्थान में भी मामला दर्ज कराया है। वही इसको लेकर हरैया थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए आरोपी युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जबकि नाबालिग लड़की को भी बालिका गृह मे रखा गया है। साथ ही नाबालिग लड़की के परिजनों को भी इसकी जानकारी दे दी गयी है। इस पूरे अभियान में एसएसबी मानव तस्करी रोधी ईकाई के साथ-साथ प्रयास जुबेनाइल सेंटर पूर्वी चंपारण शामिल थे।

रक्सौल आरपीएफ ने तीन नाबालिग बच्चे का किया रेस्क्यू

बीएनएम। मोतिहारी

उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ स्थित मदरसा में पढ़ने वाले तीन नाबालिग बच्चे को रक्सौल आरपीएफ ने रेस्क्यू किया है। बताया गया है, कि तीनो मदरसा छोड़कर ट्रेन पर सवार होकर रक्सौल पहुंच थे। जिन्हे रक्सौल में रेलवे सुरक्षा बल, चाइल्ड लाइन और स्वच्छ रक्सौल संस्था की टीम ने रेस्क्यू करते हुए बाल कल्याण समिति को सौंपा है। इसकी जानकारी देते हुए आरपीएफ इंस्स्वपेक्टर ऋतुराज कश्यप व रक्सौल संगठन के अध्यक्ष रंजीत सिंह ने बताया कि रक्सौल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर स्थित पार्सल कार्यालय के पास तीन नाबालिग बच्चों को देखा गया। शंका होने पर आरपीएफ की टीम के द्वारा पास जाकर पूछताछ की गयी तो तीनो बच्चों ने बताया कि हम लोग अलीगढ़ में मदरसा में पढ़ते है।

वहां पर शिक्षक के द्वारा मारा पीटा जाता है इसलिए हम तीनो मौका देखकर वहां से भाग आये तथा अपने गांव अररिया जा रहे है। भटककर हम लोग रक्सौल आ गए है। तीनो बच्चों की उम्र काफी कम होने व नासमझ होने के कारण प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हुआ कि उक्त बच्चे कहीं गलत हाथो में न पड़ जाए, ऐसे में सभी को आवश्यक कार्रवाई के बाद बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया है। इस अभियान में आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार मिश्रा, उप निरीक्षक तेज कुमार, आरक्षी रामनारयण प्रसाद के साथ-साथ रेलवे चाइल्ड लान के राहुल व आनंद कुमार के साथ-साथ स्वच्छ रक्सौल संस्था के रंजीत सिंह, सावरा खातून सहित अन्य शामिल थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

शिवहर पुलिस की कारवाई, 72 घंटा के अंदर छह अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम। शिवहर

एसपी अनंत कुमार राय ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर बताया की पिछले दिनों पंकज सिंह, पिता विभुति प्रसाद सिंह, आशोपुर, थाना - पिपराही, जिला-शिवहर जो बैंक ऑफ बड़ौदा का सी०एस०पी० चलाते हैं अपने बुलेट मोटर साईकिल बी०आर०-06 भी. 9353 से बैंक ऑफ बड़ौदा, बसंतपटटी शाखा से 100000 / (एक लाख) रू० निकालकर अपने काला रंग के बैग में रखकर लौट रहे थे। जब वे पुरनहिया थाना अंतर्गत बसंतपटटी पेट्रोल पंप से दक्षिण सफलता एक्सप्रेस कोचिंग सेंटर के पास करीब 11.05 बजे पहुँचे तो नीले रंग के अपाची पर सवार तीन व्यक्ति इन्हें पीछे से आकर घेर लिया। मोटरसाईकिल पर पीछे बैठा युवक इनका बैग छिनने का प्रयास किया तो ये विरोध किये तो बीच में बैठा व्यक्ति अपने कमर से पिस्टल निकाल कर एक फायर किया एवं भयभीत करते हुए मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे दोनों व्यक्ति धक्का-मुक्की कर इनका काला रंग का बैग जिसमें ACER कंपनी का काला रंग का लैपटॉप, सैमसंग कंपनी का A33 मॉडल का मोबाईल, कुछ पहचान पत्र, बैंक पास बुक, अन्य दस्तावेज एवं एक लाख रूपया सहित छीनकर दक्षिण की ओर भाग गया। इस संबंध में पंकज सिंह के लिखित ब्यान पर पुरनहिया थाना कांड सं0-92/24 दि0-02.09.2024 धारा-309 (6) / बीएनएस अज्ञात के विरूद्ध अंकित किया गया है। घटना की सूचना प्राप्त होते ही अविलंब अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, शिवहर के नेतृत्व में एसआईटी का गठित कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। एसआईटी द्वारा अनुसंधान के दौरान मात्र 72 (बहत्तर) घंटे के अंदर सीसीटीवी फुटेज / तकनिकी साक्ष्य के साथ ही आसूचना प्राप्त कर इस घटना को अंजाम देने वाले निम्नांकित अपराधकर्मी को चिन्हित कर लिया गया। घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल / आग्नेयास्त्र के साथ कुल छः अभियुक्त को गिरफतार किया गया। गिरफतार अभियुक्तों के पास से लूटी गई ACER कंपनी का काला रंग का लैपटॉप, काला रंग का बैग, लूटी गई राशि में से कुल-19120 (उन्नीस हजार एक सौ बीस) रूपये, दो एटीएम कार्ड, पैन/आधार कार्ड / चेक बुक बरामद किया गया है।गिरफतार अभियुक्तों - विशाल अमन उर्फ राहुल कुमार, पे.-नागेश्वर प्रसाद यादव, सा.- रंजीतपुर, थाना-पुनौरा, जिला-सीतामढ़ी, सोनु कुमार उर्फ कुमार विनय सिंह, पे.-नागेश्वर सिंह, सा.-आशोपुर, थाना-पिपराही, जिला-शिवहर, हाल-मोकाम गौशाला चौक, थाना जिला सीतामढ़ी, सोनु कुमार, उम्र-22 वर्ष, पे०-उमेश महतो, सा.-जयनगर, थाना+जिला-सीतामढ़ी, माधव कुमार, उम्र-22 वर्ष, पे.-जितेन्द्र पासवान, सा०-गौशाला चौक, थाना+जिला-सीतामढ़ी, आशुतोष कुमार उर्फ कन्हैया कुमार, उम्र 18 वर्ष, पे.-सुनील कुमार यादव, सा.-पुपरी नारायणपुर, थाना-पुपरी, जिला-सीतामढ़ी,आदित्य कुमार, उम्र-19 वर्ष, पे.-राजीव कुमार सिंह, सा.-आशोपुर, थाना-पिपराही, जिला- शिवहर शामिल है। वही उनके पास से पिस्टल-01 (एक) कट्टा लोडेड-01 (एक)

04 (चार) जिंदा कारतुस कारतुस, मोटरसाईकिल खोखा-01 (एक) एवं खोखा का अग्रभाग (बुलेट)-01 (एक) घटनास्थल से। नीले रंग का अपाची मोटरसाईकिल बीआर-30ए.डी-5580-01(एक)- (घटना मोबाईल 06 (छः) मोबाईल

टॉप एवं अन्य पैन/आधार कार्ड/ चेक बुक- लूट की सामान ACER कंपनी का काला रंग का लैपटॉप, काला रंग का बैग, लूटी गई राशि में राशि/लैप से कुल-19120 (उन्नीस हजार एक सौ बीस) रूपये, दो एटीएम कार्ड बरामद किया गया है।

मौके पर एसडीपीओ अनिल कुमार, पुरनहिया थानाध्यक्ष ललन कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद।

गणेशोत्सव के अवसर पर प्रवचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम। तुरकौलिया

तुरकौलिया पूर्वी पंचायत में हर वर्ष की भांति इस बार भी गणेश पूजा का आयोजन कवलपुर डीह मंदिर पर किया गया है। मोहन राम ने बताया कि गणेशोत्सव के अवसर पर शाम में प्रवचन के अलावे धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है। जिसमें भाग लेने के लिए दूर-दूर से कलाकारों को बुलाया जाता है। यहां कार्यक्रम में शामिल होने के लिए काफी संख्या में श्रोता भी पहुंचते हैं। गणेश पूजा के नाम से यह जगह काफी मशहूर है। पूजा को लेकर शनिवार को 201 कन्याओं ने कलश यात्रा निकाला। पूजा स्थल कवलपुर डीह से कलश यात्रा निकलकर पैदल चलते हुए काफी दूरी तय करते हुए पिपरिया छठ घाट पहुंचा था। पूजा अर्चना के बाद जलबोझी करते हुए जल लेकर पुनः कलश यात्रा कवलपुर डीह पहुंचा। जहां गणेशोत्सव के अवसर पर विधिवत मंत्रोच्चारण कर पूजा का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा में गाजा बाजा के साथ शामिल हाथी आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। कलशयात्रा में जिला पार्षद प्रतिनिधि हेमंत किशोर वर्मा, मोहन राम, ठाकुर महतो, अजय सहनी, परमेश्वर महतो, भोला महतो व पूर्व मुखिया बेबी आलम के अलावे बुद्धिजीवी व गणमान्य लोग सैकड़ों की संख्या में शामिल थे। यहां बताते चलें कि कलशयात्रा में शामिल मुस्लिम महिला पूर्व मुखिया बेबी आलम लोगों के बीच चर्चा का विषय बनीं हुईं थीं। आयोजनकर्ताओं का मानना था कि हिंदू मुस्लिम एकता का यह बहुत ही सुन्दर मिसाल है। सही मायने में कोई भी धर्म लोगों को आपस में जोड़ने का ही काम करता है। सभी लोग एक दुसरे के धर्म का आदर करें, यही पाठ भी तो धर्मग्रंथों के माध्यम से पढ़ाया और समझाया जाता है। सनातन धर्म भी यही संदेश देता है।

संक्षिप्त समाचार

बरामद युवती ने किया खुलासा, अपहरण नही वह अपने आशिक के साथ गई थी नेपाल

- बंजरिया के रहने वाला है आशिक अरशद
- युवती ने कोर्ट में कहा, वह अरशद के साथ कर चुकी है निकाह
- कोर्ट के आदेश से युवती को पुलिस ने आशिक के मां को सौंपा

बीएनएम। हरसिद्धि। मुरारपुर पंचायत के एक गांव से कथित अपहृत युवती को पुलिस ने शनिवार को घोड़ासहन से बरामद कर लिया है। मालूम हो कि 19 अगस्त को मुरारपुर की एक लड़की घर से गायब हुई थी। मामले में गायब युवती की मां ने थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराई थी। बरामद युवती को दारोगा अमित रंजन ने कोर्ट में दाखिल किया। जहां युवती ने मेडिकल जांच कराने से इंकार कर दिया। युवती ने खुलासा किया कि तुरकौलिया के एक निजी अस्पताल के कोई कंपाउंडर का हाथ उसके भागने में नही है। वह अपने स्वेच्छा से अपने आशिक अरशद के साथ भागी थी। वह अरशद के साथ निकाह कर चुकी है। उसने अपने मां के साथ घर जाने से इंकार कर दिया। कोर्ट में उसने कहा कि वह अपने शौहर के घर बंजरिया के सिंधिया जाना चाहती है। कोर्ट के आदेश से पुलिस ने उक्त युवती को उसके शौहर अरशद के मां हुस्न तारा को सौप दिया है। अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के आदेश से लड़की की बरामदगी में दारोगा रवि रंजन अपने पूरी टीम के साथ लगे हुए थे।

बीस लाख का नेपाली व चाईनीज कास्मेटिक सामग्री पश्चिम चंपारण मे जप्त

बीएनएम। बेतिया। सिकटा ब्लॉक के पास चिक पट्टी में एसएसबी व सिकटा थाने की पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार की सुबह तस्करी के भारी मात्रा में कॉस्मेटिक्स सामग्री समेत उच्च कोटि के भारतीय परफ्यूम्स व दवाईयां जब्त किया हैं। इस सयुंक्त कार्रवाई में लगभग बीस लाख रूपए मुल्य के नेपाली व चाइनीज कॉस्मेटिक्स सामग्री समेत उच्च क्वालिटी के भारतीय परफ्यूम्स व दर्दनिवारक आयोडेक्स क्रीम, पेट के गैस निवारक इनो व चर्मरोग निवारक पेनडर्म क्रीम, लक्मे कम्पनी का काजल आदि शामिल है।जब्त समान भिस्वा, नेपाल बाजार के व्यवसायी की बताई गई है।जिसकी पहचान की जा रही है। सिकटा थाने के थानाध्यक्ष राज रौशन ने बताया कि सूचना मिला कि तस्करी के लिए भारी मात्रा में समान सिकटा बाजार के कुरैशी मुहल्ला में भंडारण किया गया है, जिसमें नेपाली व चाइनीज टूथपेस्ट, ग्लो एंड लवली क्रीम, फेसवॉश, लक्मे का लिपिस्टिक, इंची टेप, स्कीन क्रीम, पॉण्डस पावडर आदि शामिल है। इसे भारतीय समान नेपाल व नेपाली व चाइनीज समान भारतीय बाजारों में भेजने के लिए भंडारण किया गया था। मकान मालिक जमालूद्दीन अंसारी ने पुलिस को बताया है कि मेरा परिवार बरदही गांव स्थित मकान में रहता है। कुरैशी मुहल्ला का कमरा किसी को भाड़ा दिया गया है। वह उसमें क्या रखता है, नही मालूम है। जब्त नेपाली व चाइनीज समानों को मोतिहारी कष्टम को सुपूर्द किया गया है। वहीं भारतीय समानों को कार्रवाई के लिए सिकटा थाने में रखा हुआ है।

केसरिया शाखा में मनाया गया बैंक ऑफ इंडिया का 119 वां स्थापना दिवस

बीएनएम। केसरिया। बैंक ऑफ इंडिया का 119 वां स्थापना दिवस शनिवार को बैंक के केसरिया शाखा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर शाखा प्रबंधक रवि शेखर ने शाखा कर्मियों व ग्राहकों के साथ मिलकर केक काटा। शाखा प्रबंधक ने कहा कि आज बैंक ऑफ इंडिया अपना 119 वां स्थापना दिवस मना रहा है। इतना लंबा सफर सिर्फ और सिर्फ हमारे बैंक के सभी सम्मानित ग्राहकों की बदौलत ही तय हुआ है। उन्होंने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया ग्राहकों की मूलभूत सुविधाओं का हमेशा ध्यान रखता है। मौके पर एबीएम आदित्य चौधरी, कैशियर अमर प्रताप, सहायक सोहन कुमार, मदन कुमार, सेवानिवृत्त पेशकार श्याम किशोर सिंह, सीएसपी संचालक राजेश कुमार, रविरंजन कुमार, चन्द्र प्रकाश, मनीष कुमार, पवन कुमार, विनोद सिंह, रंजन कुमार सिंह, संजय प्रसाद, राकेश कुमार रत्न समेत कई लोग उपस्थित थे।

जगदीश हत्याकांड: पूर्व विधायक ने शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात कर व्यक्त की संवेदना

बीएनएम। हरसिद्धि

ननिहाल में रह रहे युवक की युवक की हत्या, इलाके में सनसनी दिशा-निर्देश

बिहार एनडीए गठबंधन एक तरह से पूरी तरह से तानाशाह की सरकार हो गई है। सरकार में गरीब दलितों पर अत्याचार किया जा रहा है। जिसके एक-एक आंसू की कीमत इस तानाशाही सरकार को चुकानी पड़ेगी। बिहार में अपराधियों का तांडव जारी है। उक्त बातें हरसिद्धि के पूर्व विधायक राजेन्द्र राम ने एक युवक के गला दबाकर हत्या मामले में घटनास्थल पर पहुंचकर शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लौकरिया में निवासी साधु राम के पुत्र जगदीश राम (19 वर्ष) को अपराधियों ने निर्मम हत्या कर शव को खेत में फेंक दिया था। उनके आवास पर पहुंचकर शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की तथा घटना की पूरी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा है कि दुख की इस घड़ी में हम पीड़ित परिजनों के साथ हैं। इस हत्या में संलिप्त अपराधियों को सजा दिलाकर परिजनों न्याय दिलाएंगे। सनद रहे कि हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घीउवाढार पंचायत के लौकरिया गांव वार्ड नंबर 11 में गुरुवार को एक युवक की हत्या कर दी गई। शुक्रवार की सुबह घर से थोड़ी ही दूर खेत में शव बरामद हुआ। मृतक जगदीश राम 19 वर्ष थाना क्षेत्र के धवही गांव निवासी साधुराम का पुत्र बताया गया है, वह अपने नाना कारी राम के घर घीउवाढार पंचायत के लौकरिया गांव वार्ड नंबर 11 में रहता था। घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर निर्भय कुमार राय ने बताया कि घटना की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और खेत से शव को बरामद किया गया। घटना की खबर आग की तरह चारों तरफ फैल गई और दर्शकों की भीड़ जमा हो गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक के शरीर पर कहीं चाकू और जख्म का निशान नहीं है। प्रथम दृष्टया इस युवक की हत्या गला दबा करके की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना के उद्भेदन के लिए डॉग स्क्वायड टीम को बुलाया गया था। लेकिन उस टीम को भी कोई खास सफलता नहीं मिल नही सकी। कुत्ता मृतक के मामा के गोवास से मृतक को फेके गए स्थल तक ही जा पाता था। शायद वर्षा होने के कारण उसे कुत्ते को कोई ठोस कामयाबी नहीं मिल सकी। थाना अध्यक्ष ने बताया कि उस युवक की हत्या उसके मामा के गोवास के पास ही करके लाश को खेत में ले जाकर के फेंक दिया गया था। जो गोवास से करीब 50 मीटर अलग था। थाना अध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। अभी तक परिजन के द्वारा कोई आवेदन नहीं दिया गया है। वही स्थानीय मुखिया वीरेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक की मां अपने गांव गई थी, नाना तीन-चार दिनों से किसी संबंधी के यहां गए थे, दो मामा हैं, दोनों बाहर काम करते हैं। मृतक के पिता भी बाहर में ही काम करते हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजन के द्वारा आवेदन दिए जाने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी, तब तक अनुसंधान जारी है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या का कुछ पता चल सकेगा।

अहले सुबह सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में युवक का शव मिलने से फैली सनसनी

मृतक की हुई थी दो शादियां, पहली पत्नी नहीं रहती थी साथ,परिजनों का रो रो कर बुरा हाल

बीएनएम। सुगौली

थाना क्षेत्र के छोटा बंगरा से सुगांव जाने वाली सड़क के समीप पानी भरे गड्ढे में शनिवार की अहले सुबह एक युवक की शव मिलने की खबर से पूरे क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गयी।शव की सूचना पर आस पास के लोग भारी संख्या में घटनास्थल पर जमा हो गये। घटना की सूचना पर अवर निरीक्षक शंभू साह के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने शव को गड्ढे से निकाला और अपने कब्जे में ले लिया। जानकारी के मुताबिक प्रथम दृष्टया शव के शरीर पर कहीं भी जख्म के निशान नहीं थे। पुलिस ने मौके पर उपस्थित लोगों से शव की शिनाख्त कराया तो शव की पहचान उत्तरी सुगांव पंचायत के छोटा बंगरा वार्ड सात निवासी ध्रुव ठाकुर के पैंतीस वर्षीय पुत्र सुनील ठाकुर के रूप में हुई है।पुत्र की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में हाहाकार मच गया। पिता ध्रुव ठाकुर का रो रोकर बुरा हाल है।मृतक के पिता ने बताया कि मृतक छः सात दिनों से रात में घर पर नहीं सोता था।वो आता था और चला जाता था। उन्होंने बताया कि मृतक की दो शादियां हुई थी। लेकिन उसकी पहली मृतक को छोड़ दी।जिसके बाद दूसरी शादी हुई है।पिता ने बताया कि शुक्रवार को वो घर नहीं आया था। घटना के बावत थानाध्यक्ष अमीत कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु मोतीहारी भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद ही मृत्यु के कारणों का पता चलेगा। समाचार प्रेषण तक परिजनों से पुलिस को आवेदन नहीं मिला है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवेदन मिलने पर प्राथमिक दर्ज किया जाएगा।

देकुली धाम निर्माण कार्य की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

बीएनएम। शिवहर

जिलाधिकारी पंकज कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में श्री बाबा भुवनेश्वरनाथ देकुली धाम निर्माण कार्य की समीक्षा बैठक की गई। इससे पूर्व जिलाधिकारी द्वारा देकूली धाम निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया गया। बैठक में कार्य प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया। साथ ही संवेदक एवं अभियंता को कार्य प्रगति को और तेज करने के निर्देश दिए गए। संपूर्ण निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में चहारदीवारी कार्य 8 अक्टूबर, 2024 तक तथा डॉरमेटरी का कार्य 10 दिसंबर,2024 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। समिति के सदस्य ने भी कार्य प्रगति पर संतोष व्यक्त किया, इसके अलाव एक अतिरिक्त द्वार के निर्माण का अनुरोध किया गया । जिस पर बाद में निर्णय लेने का फैसला किया गया। उपस्थित जिलाधिकारी महोदय, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, अभियंता(बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, पटना, संवेदक, प्रभारी पदाधिकारी(विकास शाखा) एवं देकुली धाम समिति के सभी सदस्यगण मौजूद थे।

धुमाधम से मनाया गया बैंक ऑफ इंडिया का 119वां स्थापना दिवस

बीएनएम। रक्सौल

बैंक ऑफ इंडिया के रक्सौल शाखा में 119 वॉ स्थापना दिवस धूमधाम से केक काट कर मनाया गया। रक्सौल शाखा के पहली महिला शाखा प्रबंधक प्रिया गुप्ता ने बताया की बैंक ऑफ इंडिया का आज 119 वॉ स्थापना दिवस है। बैंक ऑफ इंडिया का भारत में 50434 बैंक शाखा एवं 19 अन्य देशों में भी बैंक शाखा संचालित है। हमे गर्व है की हमारे पास ग्राहकों इतना बड़ा परिवार है। हमारे बैंक शाखा में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी भी 1932 में खाता खुलवाए थे। स्थापना दिवस के इस अवसर पर हमारे बैंक शाखा ने ग्राहकों को 150 आरडी खाता खोला है। वही 333 दिन स्कीम में 50 लाख रु जमा कराया है। साथ ही 25 ग्राहक को कार लोन, 5 ग्राहक को होम लोन, 40 लाख रु का गोल्ड लोन के साथ साथ कई ग्राहकों को मुद्रा लोन दिया गया है। भविष्य में ग्राहकों को सुविधा के लिए एटीएम के साथ पैसा डिपॉजिट मशीन और पासबुक प्रिंट मशीन लगाने की योजना है। ताकि छुट्टियों के दिन भी हमारे ग्राहकों को सुविधा मिलती रहे। इस अवसर पर कुंदन कुमार, हर्षधन राव, प्रियंका कुमारी, दीनानाथ प्रसाद, प्रियंका गुप्ता,डॉ अनुपमा प्रसाद, डॉ प्रिया साहा एवं रवि रंजन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चिंतन मनन

प्रेम और समर्पण

प्रेम जीवन की परम समाधि है. प्रेम ही शिखर है जीवन ऊर्जा का. वही गौरीशंकर है जिसने प्रेम को जाना, उसने सब जान लिया. जो प्रेम से वंचित रह गया, वह सभी कुछ से वंचित रह गया। प्रेम की भाषा को ठीक से समझ लेना जरूरी है। प्रेम के शास्त्र को ठीक से समझ लेना जरूरी है। क्योंकि प्रेम ही तीर्थयात्रा है। उससे ही पहुंचने वाले पहुंचे हैं और जो नहीं पहुंचे, वे इसलिए नहीं पहुंचे कि उन्होंने जीवन को कोई और रंग दे दिया, जो प्रेम का नहीं था। प्रेम का अर्थ है, समर्पण की दशा, जहां दो मिटते हैं, एक बचता है। जहां प्रेमी और प्रेम पात्र अपनी सीमाएं खो देते हैं, जहां उनकी दूरी समग्र रूपेण शून्य हो जाती है। यह उचित नहीं कि प्रेमी और प्रेम-पात्र करीब आ जाते है; क्योंकि करीब होना भी दूरी है। पास नहीं आते खो जाते हैं। निकटता में भी तो फासला है। प्रेम उतना फासला भी बर्दाश्त नहीं करता। प्रेम दो को एक बना देता है। प्रेम अद्वैत है। इस प्रेम को हम थोड़ा समझें। ऐसा तो व्यक्ति ही खोजना कठिन है, जिसने प्रेम न किया हो। गलत ढंग से किया हो, गलत प्रेम पात्र से किया हो, लेकिन प्रेम किये बिना तो कोई बच नहीं सकता क्योंकि वह तो जीवन की सहज अभिव्यक्ति है। तो तीन तरह के प्रेम हैं। समझ लें। पहला जिसमें सौ में से निन्यानबे लोग उलझ जाते हैं। वह वस्तुओ का प्रेम है- धन का, संपदा का, मकान का, तिजोरियों का। वस्तुओ का प्रेम- प्रेम के लिए सबसे बड़ा धोखा है लेकिन उसमें कुछ खूबी है; इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग उसमें पड़ जाते हैं और वह खूबी यह है कि वस्तुओं के प्रति तुम्हें समर्पण नहीं करना पड़ता।

भारत विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकडें जारी कर दिए गए हैं एवं हर्ष का विषय है कि भारतअभी भी विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2023) में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज हुई थी तथा पिछली तिमाही (जनवरी मार्च 2024) में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रेल-जून 2024 तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। पिछले लगातार 5 तिमाही के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में यह सबसे कम वृद्धि दर है। हालांकि चीन में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज हुई है तथा विश्व की अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर भारत की तुलना में अभी भी बहुत कम बनी हुई है। भारत में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में कम हुई वृद्धि दर के पीछे कुछ महत्वपूर्ण कारण बताए गए है। प्रथम तो इस तिमाही में लोक सभा चुनाव सम्पन्न हुए हैं जिसके चलते आम जनता ने अपने खर्चे को रोक रखा था। साथ ही, लोक सभा चुनाव के समय केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा कोई भी बड़ा निर्णय नहीं लिया जा सकता है जिसके चलते सरकारों को अपने खर्चों को नियंत्रण में रखना होता है, इससे देश की विकास दर पर प्रभाव पड़ता है। दूसरे, इस तिमाही के दौरान देश में अत्यधिक गर्मी के चलते पर्यटन एवं कृषि के क्षेत्र में विकास दर अत्यधिक कम हो गई है। कृषि के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में वृद्धि दर केवल 2 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 3.7 प्रतिशत की रही थी। परंतु, वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में मानसून ने लगभग पूरे देश में तेज गति पकड़ ली है अतः विभिन्न फसलों के बुआई के क्षेत्र में अच्छी वृद्धि दर्ज हुई है इसलिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय एवं तृतीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर एवं अक्टोबर-दिसम्बर 2024) में कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर के आकर्षक रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। खरीफ मौसम की फसल के साथ ही अब रबी मौसम की फसल में भी अच्छी वृद्धि दर रहने की सम्भावना है क्योंकि देश के विभिन्न जलाशयों में पानी के संचयन में भारी वृद्धि दर्ज हुई है, जिसे कृषि क्षेत्र में सिंचाई के लिए उपयोग किया जा सकेगा। इन्हीं कारणों के चलते वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडीज ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के आर्थिक विकास दर के अपने अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है, मूडीज ने पहिले यह अनुमान 6.8 प्रतिशत का लगाया था। विनिर्माण इकाईयों द्वारा किए गए उत्पादन में अप्रेल-जून 2024 की तिमाही में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। निर्माण के क्षेत्र में 8.6 प्रतिशत एवं सेवा के क्षेत्र में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ट्रेड, ट्रान्स्पोर्ट, होटल, टेलिकॉम की ग्रोथ 5.7 प्रतिशत की रही है। विनिर्माण, निर्माण एवं कोर इंडस्ट्री को मिलाकर बनने वाले सेकेण्डरी सेक्टर में वृद्धि दर बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में यह 5.9 प्रतिशत की रही थी जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 8.4 प्रतिशत की हो गई है। यह वृद्धि दर देश में निजी उपभोग के बढ़ने की ओर इशारा कर रही है। विश्व में बहुत लम्बे समय से चल रहे दो युद्धों के बीच भारत की उक्त आर्थिक विकास दर अच्छी विकास दर ही कही जाएगी। एक युद्ध तो रूस यूक्रेन के बीच चल

रहा है एवं दूसरा इजराईल एवं हम्मास के बीच चल रहा है। इजराईल के साथ युद्ध में तो लेबनान एवं ईरान भी कूदने को तैयार बैठें हैं। साथ ही, यूरोपीयन देशों में कुछ देशों की आर्थिक विकास दर में कमी होती दिखाई दे रही है। जापान एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्थाओं में भी विकास दर में कमी आंकी गई है। जर्मनी एवं चीन भी अपनी अपनी अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर को बढ़ाने हेतु संघर्ष करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जापान एवं जर्मनी में यदि विकास की रफ्तार कम होती है एवं भारत की आर्थिक विकास दर यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ती है तो शीघ्र ही भारत, जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जापान एवं जर्मनी ही भारतीय अर्थव्यवस्था से थोड़ा आगे बने हुए हैं।

अर्थ से सम्बंधित कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत सराहनीय प्रगति करता हुआ दिखाई दे रहा है। जैसे -

(1) पिछली तिमाही में भारत के निर्यात में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि दर केवल एक प्रतिशत की रही है।

(2) बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों में लगातार वृद्धि दर 15 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है, विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में ऋण की मांग (जुलाई 2024 में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर) एवं विनिर्माण के क्षेत्र में ऋण की मांग (जुलाई 2024 में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर) बनी हुई है। इससे देश की अर्थव्यवस्था के तेज गति से आगे बढ़ने के स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं।

(3) वित्तीय वर्ष 2024-25 में जुलाई 2024 माह के अंत तक समाप्त अवधि के दौरान केंद्र सरकार की कुल आय 10.23 लाख करोड़ रुपए की रही है। यह वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय के कुल बजट का 31.9 प्रतिशत है और इसमें 7.15 लाख करोड़ रुपए की करों की मद से आय तथा 3.01 लाख करोड़ रुपए की अन्य मदों से आय भी शामिल है।

(4) इस दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रण में रहा है एवं यह 2.77 लाख करोड़ रुपए तक सीमित रहा है जो वित्तीय वर्ष 2024-25 के कुल बजटीय घाटे का केवल 17.2 प्रतिशत ही है।

(5) इसी प्रकार विदेशी मुद्रा भंडार भी 23 अगस्त 2024 को समाप्त हुए सप्ताह में 702 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 68,168 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नए रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 454 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 67,466 करोड़ अमेरकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था।

(6) जुलाई 2024 माह में 8 कोर सेक्टर (कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी प्रोडक्ट, उर्वरक, इस्पात, सिमेंट एवं बिजली उत्पादन के क्षेत्र) में वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत की रही है जो जून 2024 माह में 5.1 प्रतिशत की रही थी।

(7) भारत में प्रत्येक 5 दिनों में एक बिलिनायर (भारतीय नागरिक जिसके पास 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति है) बन रहा है। 2014 में भारत में 109 बिलिनायर थे जो आज बढ़कर 334 हो गए हैं। जिनकी कुल सम्पत्ति 1.9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है जो सऊदी अरब के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक है। इसी प्रकार, भारत के बिलिनायर की सम्पत्ति भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद के आधे से भी अधिक है। भारत की अर्थव्यवस्था तो प्रत्येक तिमाही में बढ़ रही है परंतु यदि यह सम्पत्ति केवल बिलिनायर की संख्या बढ़ाने के रूप में बढ़ रही है तो यह उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि इससे तो देश में अमीरों एवं गरीबों के बीच में असमानता की खाई भी बढ़ती जा रही है और इस खाई को शीघ्र ही पाटने के प्रयास किए जाने चाहिए। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में कम हुई आर्थिक विकास दर को बढ़ाने के उद्देश्य से क्या अब भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कमी कर सकता है। अब यह प्रश्न अर्थशास्त्रियों के मन में उभर रहा है। इस बीच अमेरिका में भी फेड रिजर्व के अध्यक्ष ने अमेरिका में ब्याज दरों को सितम्बर 2024 माह में कम करने के स्पष्ट संकेत दिए हैं।

मिलने पर मित्र का आदर करो, पीठ पीछे प्रशंसा करो और आवश्यकता के समय उसकी मदद करो।
- जातक कथा

सभी गलत कार्य मन से उपजते हैं। अगर मन परिवर्तित हो जाये तो क्या गलत कार्य ठहर सकता है।
- महात्मा बुद्ध

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ट, भाद्र पद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि पंचमी, रविवासरे, स्वाति नक्षत्रे, 17/30 ऐग योगे, वालव करणे, 24/26 तुला की चंद्रमा, ऋषि पंचमी, व्यापार रवियोग 17/30 वाहन क्रय विक्रय धान्य छेदन मूर्हूत तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर तथा स्वाभिमानी, दार्शनिक जिद्दी, हठी, भोगी, तथा मिलेट्री मेन, सैनिक सिपाही, बिग्रेडियर कर्नल तथा इंजी.कम्प्यूटर, एनडीए पास करने वाला, बड़ा साहसी, हिम्मत वाला लड़ाकू होगा।

मेष राशि - स्त्री वर्ग से भोग-एश्वर्य की प्राप्ति किन्तु व्यावसायिक तनाव तथा क्लेश प्राप्त होगा।

वृष राशि - धन और समय की सुरक्षा करें, योजनाएं फलीभूत हो तथा सामाजिक सम्मान अवश्य मिलेगा।

मिथुन राशि - आशानुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े हुए कार्य बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष अवश्य होगा।

कर्क राशि - धन लाभ, बिगड़े हुए कार्य बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष होगा, रुके कार्य बन ही जायेंगे।

सिंह राशि - विशेष कार्य स्थिगित रखें, लेन-देन के मामले में सर्तकता रखें तथा कार्य बन ही जायेंगे।

कन्या राशि - धन हानि, मानसिक व्यग्रता से बचें तथा भोग-एश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्य सम्पन्न करें।

तुला राशि - मन उद्विग्नता से परेशानी बनेगी, विघटनकारी तत्व परेशान करेंगे, सतर्कता से कार्य करें।

वृश्चिक राशि - प्रतिष्ठा, बालबाल बचे, विशेष कार्य में हानि हो सकती है, समय का ध्यान अवश्य रखें।

धनु राशि - विभ्रम, उपद्रव से बचें, विशेष कार्य में हानि हो सकती है, समय का ध्यान अवश्य रखें।

मकर राशि - धन का व्यय, असमर्थता का वातावरण रहेगा तथा इष्ट मित्र सुख वर्धक अवश्य ही होंगे।

कुंभ राशि - योजनाए फलीभूत होंगी, सफलता के साधन जुटायें, मन में प्रसन्नता के योग अवश्य बनेंगे।

मीन राशि - आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, इष्ट मित्र व अधिकारियों से समर्थन अवश्य ही मिलेगा।

व्यंग : जन्मदिन या सियासत या फिर समर्थकों का उमड़ता अद्भुत प्रेम

सागर सूरज

इस सप्ताह मोतिहारी मे तीन लोगों के जन्मदिन को लेकर

सोशल मीडिया से लेकर शहर के चौक चौराहों तक धूम मची रहीं l शहर के तीन चेहरे सांसद राधा मोहन सिंह, जिला विधिज्ञ संघ के महासचिव राजीव द्विवेदी और शिक्षाविद अलोक शर्मा के जन्मदिन को लेकर बधाईयों का ताँता लगा रहा और इसको ले कर चर्चाये भी होती रहीं l

समर्थक और चाहने वालों ने गुलदस्ते और मिठाईओं के माध्यम से तीनों विभूतियों के जन्म दिन पर मिलकर बधाईयां दी. जो नहीं मिल सके वे फोटो लगा कर फेसबुक या अन्य सोशल फ्लैटफार्म पर बधाईयां देकर अपनी जिम्मेवारियां पूरी कर ली l

यूँ तो ऊपरी तौर पर इसे सिर्फ जन्मदिन का उत्सव मान ली जाये तो मुझे कोई दिक्कत नहीं परन्तु संजीदगी से देखी जाये तो इसमें भी सियासत की बु आ रहीं प्रतीत होती है. सांसद राधा मोहन के 75 वे जन्मदिन को लेकर शहर मे कई जगह होर्डिंग लगाए गये थे . पुस्तक का विमोचन हुआ, डॉक्यूमेंटरी फ़िल्म दिखाई गयी l

बापू सभागार एवं अन्य स्थानों पर कई कार्यक्रम आयोजित किये गये l भाजपा समर्थक विशेषकर सांसद समर्थक तो सांसद को ढूढ ढूढ कर बधाईयां दिये या यूँ कहे खदेड खदेड कर बधाईयां दी . उनके बधाईयों मे प्रेम और डर दोनों का मिला जुला भाव देखने को मिला. प्रेम तो प्रेम होता है l सियासत मे बने रहने का डर भी कोई कमजोर चीज नहीं होती l पानी मे रहकर मगरमक्ष से बैर अच्छा नहीं होता l

पिछले संसदीय चुनाव के भाजपा के कई बगावती चेहरे अब दंडवत के मुद्रे मे दिख रहे है l राजनितिक महत्वकांक्षा की डोर किसी बड़े नेता के हांथो मे हो तो ऐसा प्रेम छलक छलक कर बाहर निकलता ही है l

ऐसा नहीं की यह डर सिर्फ नेताओं और कार्यकर्ताओं के इर्द गिर्द घूमती दिखी, बल्कि जन्मदिन समारोह सांसद महोदय के भी घनघोर डर की परिणती भी हो सकती है. गत चुनाव मे कड़े संघर्ष के बाद खुद को जिलें के सर्वमान्य नेता के रूप मे बने रहने के प्रयास को 'जन्मदिन सियासत का कारण हम मान ले तो कोई बुरी बात नहीं होंगी l

सांसद महोदय भाजपा के बड़े चेहरा है 7 वीं बार सांसद बने है. देश के केंद्रीय मंत्री सहित कई बड़े पदों को शुमार कर चुके है ऐसे उनका जन्मदिन हर वर्ष कुछ ऐसे ही अंदाज मे मनाई जानी चाहिए l लम्बी उम्र की कामना को बटोरना भी और साथ साथ सियासत भी l ऐसे आयोजन के लागतों पर सवाल उठाना भी जायज नहीं है l

अलोक शर्मा और अधिवक्ता पप्पू दुबे दोनों ही के चाहने वाले इस अवसर पर अपनी अधिकतम भूमिका निभाई l पप्पू दुबे बिहार राज्य बार कौंसिल की चुनाव मे छोटी हार के बाद जिला विधिज्ञ संघ मे एक बड़ी जीत दर्ज की तो जाहिर है उनके समर्थकों की राजनितिक महत्वकांक्षा बढ़ेगी ही . अलोक शर्मा तो सियासत के गालियारों मे पहले से ही चर्चे मे रहे है.

राजीव द्विवेदी उर्फ़ पप्पू दुबे राजद के चेहरा है l कोर्ट परिसर मे पहुंचे बधाई देने वाले उनके समर्थकों के कारण कोर्ट मे हुये थोड़ा बहुत नुकसान का कोई मलाल दुबे जी को नहीं है, वही अलोक शर्मा जनसुराज के साथ साथ सभी पार्टियों के चंदे के बड़े श्रोत के रूप मे इनको देखा जाता है . विधान सभा चुनाव नजदीक है फिर जन्मदिन सियासत का मौका शर्मा और दुबे जी भी क्यों छोड़ दे l दोनों ही व्यक्ति अपने अपने क्षेत्रों मे काफ़ी प्रभाव वाले है l

जहाँ तक मेरी बात है मेरे जन्मदिन को लेकर भारी भ्रम की स्थिति है l फेसबुक बुकिया जन्मदिन 14 जनवरी 1971 है l हम उस अवसर पर थोड़ी बहुत बधाईयां जो मुझे मिल जाती है मै सजों कर रख लेता हूँ l यह भी बताने की हिम्मत नहीं होती की मेरे अवतरण की इस तिथि मे भारी घोटाला है l असली किसी को याद नहीं l जन्म कुंडली बनी नहीं, ऐसे ने थोड़ी बहुत बधाईयां जो मिल जाती है मै उसे गवाना नहीं चाहता l

बहरहाल तीनों शख्सियतों को मेरे तरफ से भी बधाई l

'जिंदगी भर ये आसमाँ तुझ को'
किसी आफ़त में मुब्तला न करे

दल बदल कानून की प्रासंगिकता?

चैतन्य भट्ट

हरियाणा में 1967 में एक विधायक हुए थे गया लाल। एक दिन में ही कांग्रेस से जनता पार्टी में गए, फिर कांग्रेस में आए। वापस जनता पार्टी में सिधारे और फिर पुनः कांग्रेस में पधारे। उनकी इस क्रांतिकारी पहल ने ऐसी बयार चलाई कि देश में अगले 12 महीने में ही 400 से ज्यादा दल-बदल हुए। 116 दल बदलुओं ने मंत्रिपद का प्रसाद भी पाया। दल बदल विरोधी कानून की जरूरत महसूस कराने का श्रेय इन्हीं गया लाल जी को जाता है। 1972 से 75 का समय छोड़ दें तो राजनीति सारा समय जोड़ तोड़ पर टिकी रही। ऐसे ऐसे कारनामे हुए कि पूछिए मत। घर-घुसड़म्मा शब्द निराकार से साकार होता रहा। बच्चे नाम याद नहीं कर पाते थे और प्रधानमंत्री बदल जाता। एक तो ऐसे भी हुए जिन्होंने बिना संसद का सामना किए ही भूतपूर्व की गति पाई। अंततः1985 में दो तिहाई बहुमत वाली राजीव गांधी की सरकार के कार्यकाल में ही दल-बदल विरोधी कानून लागू हो सका। अपने राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ने , अन्य दल में शामिल होने, पार्टी के पक्ष के विपरीत वोट देने या वोटिंग से अलग रहने जैसे मामलों में जनप्रतिनिधि को अयोग्य घोषित करने जैसे प्रावधान हुए। सच्चा कानून तो यही होता कि दल बदलते ही बिना किसी किंतु-परंतु के सदस्यता चली जाए। मगर राजनीति एक घर छोड़कर चलती है। क्या पता कब जरूरत पड़ जाए? सो कानून में पतली गलियां रखी गईं। मसलन मूल राजनीतिक दल के दूसरे दल में विलय या दो-तिहाई सदस्यों से ज्यादा की विलय के लिए सहमति पर कानून लागू नहीं होगा। कालांतर में दलबदलू परंपरा में नए आयाम भी जुड़े। अन्य दल में शामिल होकर सौदेबाज़ी की ताक़त नहीं रहती। सो दल तोड़कर नया दल बनाने और समर्थन के लिए सौदेबाज़ी का नया अध्याय शुरू हुआ। आज इसी का बोलबाला है। कानून में सदन के अध्यक्ष को सदस्य की अयोग्यता को लेकर फैसला करने का अधिकार हैं। वे दिन गए जब अध्यक्ष पार्टी निष्ठा त्याग निष्पक्ष रूप से कार्य करता था। आज उसका अपनी पार्टी के मामले में निष्पक्ष रहना कल्पना से परे है। अध्यक्ष द्वारा फैसला सुनाने की कोई समय सीमा निश्चित नहीं है। फैसला लटकाकर अदालत जाने का दरवाजा मजे से रोका जा सकता है। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस के विभाजन का घटनाक्रम ताजा उदाहरण है। चुनाव सुधारों पर गठित दिनेश गोस्वामी कमेटी की सिफारिश है कि अयोग्यता पर फैसले का अधिकार राष्ट्रपति या राज्यपाल को हो जो चुनाव आयोग की

सलाह पर काम करे। मगर संवैधानिक पदों की गरिमा का जैसा अवमूल्यन हुआ है उसके चलते लगता नहीं कि ऐसी सिफारिश लागू होने पर भी परिस्थितियां बदलेंगी। आज राजनीति सेवा नहीं व्यवसाय है और चुनाव इंवेस्टमेंट। चनावी खर्च की निर्धारित सीमा देख कर हंसी आती है। प्रत्याशियों द्वारा दिए खर्च का ब्यौरा मसखरी लगता है। पार्टी और विचारधारा के प्रति निष्ठा के दिन लद गए हैं। व्यक्तिगत लाभ के लिए पाला बदलने में नेता दो मिनट भी नहीं लगाते। चुनाव में पैसा लगाया है तो निकालना तो पड़ेंगा न? इसी कार्यकाल में। फिर मौका मिले या नहीं? 240 की संख्या पर रुक गई केंद्रीय भाजपा सरकार छोटी पार्टियों के समर्थन पर मजबूर है। स्पष्ट बहुमत नहीं है मगर बिना विचार विमर्श निर्णय लेने की संसदीय निरंकुशता क़ायम है। अंग्रेजी कहावत है : ओल्ड हैबिट्स डाई हार्ड। पुरानी आदतें जल्दी नहीं जातीं। कदम उठाते हैं कि वापस लेना पड़ता है। कलेजा छटपटाता है: ऐसा कब तक चलेगा? दूसरों के घर तोड़कर खुद का घर बसाने की उसकी क्षमता दस सालों में दसियों बार साबित हुई है। कम सदस्यों वाली पार्टियों में दल-बदल कराना बनिस्बत सरल भी है। इसलिए समर्थक दल सशंकित हैं। जाने कब यह आग उनके अपने दरवाजे तक पहुंच जाए? जब तब असंतोष दिखा देते हैं। मगर सत्ता की गोंद चिपकाए हुए है। दलीय चुनावी प्रक्रिया में मतदाता व्यक्ति नहीं बल्कि पार्टी की विचारधारा को वोट देता है। वरना पार्टियों की टिकट के लिए यूं मारामारी न होती। सदन निर्दलीयों से भरे होते। अपने जनप्रतिनिधि के दल बदलने पर भौंचक मतदाता स्वयं को ठगा महसूस करता है। सोचता है, उस विचारधारा का क्या हुआ जिसके खिलाफ या समर्थन में उसने वोट दिया था? हिमाचल सरकार ने दलबदलू विधायकों को पेंशन न देने का विधेयक पास किया है। दगाबाजों को जनता की गाढ़ी कमाई से पैंशन पाने का अधिकार होना भी नहीं चाहिए। कदम सराहनीय है मगर पर्याप्त नहीं। दल बदल के फायदों के सामने पेंशन की हैसियत मूंगफली से ज्यादा नहीं है। सवाल लाजिमी है : क्या दल बदल कानून वर्तमान स्वरूप में प्रासंगिकता खो चुका है? जवाब यकीनन हां होगा। कानून प्रभावी होता तो दलबदल कब का रुक गया होता। यह व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के लिए मतदाता से किया गया प्रजातांत्रिक विश्वासघात है। इसके लिए बिना किसी किंतु परंतु के सदन से अयोग्यता के अलावा कोई भी सजा कम है। अगर नेता को मुगालता है कि उसे जनमत पार्टी विचारधारा नहीं बल्कि खुद की लोकप्रियता के दम पर मिला है तो जाए और पुनः जनमत प्राप्त करे। चुनाव में हुए सरकारी खर्च का समानुपातिक व्यय वसूल करने जैसी कड़ी शर्त भी रखी जा सकती है। अगर ऐसे कड़े प्रावधान नहीं बने तो दल-बदल धर्म के आराध्य देव गयालाल जी की बनाई यशश्वी परंपरा सदैव कायम रहेगी।

अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहता है चीन?

श्रुति व्यास

क्या जो बाइडन अपने उत्तराधिकारी की राह आसान बनाने की कोशिश कर रहे हैं? यह हो भी सकता है। क्या चीन, अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहता है? यह भी हो सकता है। अमेरिका के दोस्त देशों के साथ चीन के टकराव की आशंकाएं हैं और इनमें अमेरिकी सेना के उलझने का खतरा भी है। ऐसी ही एक घटना फिलिपीन्स व चीन के बीच विवादित सबीना शेओल के निकट हुआ टकराव था, जहां चीनी तटरक्षक जहाजों ने फिलीपीनी जहाजों को टक्कर मारी और उन पर पानी की बौछारों से हमला किया। ऐसा ही एक दूसरा चिंताजनक मसला ताईवान का है। कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन, जो पिछले चार सालों से वाशिंगटन की चीन नीति के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, तीन दिन की यात्रा पर चीन गए। वहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और वे चीन के सेन्ट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष झांग यूक्सिया से भी मिले, जो एक दुर्लभ मुलाकात थी। जैसा कि सुलिवन ने भी कहा "कोई अमेरिकी पिछले आठ वर्षों में ऐसा नहीं कर सका है"। दोनों देशों के बीच तनाव घटाने की कोशिशों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में सुलिवन की यह पहली बीजिंग यात्रा थी। अमेरिकी अधिकारियों ने दोनों देशों के संबंधों को "अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक" बताया। ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में हुई मुलाकात में सुलिवन और शी ने कई विषयों पर चर्चा की, जिनमें चीन और ताईवान के राजनैतिक और आर्थिक रिश्ते, रूस-यूक्रेन युद्ध और दक्षिण चीन सागर से संबंधित मसले शामिल थे। इस बीच राष्ट्रपति शी ने उम्मीद जताई कि अमेरिका, चीन के विकास को सकारात्मक दृष्टि से देखेगा और चीन के साथ मिलकर दोनों बड़े देशों के बीच मैत्री को बढ़ावा देगा। शी ने जोर देकर यह भी कहा कि चीन और अमेरिका दो बड़े देश हैं जिनकी ऐतिहासिक दृष्टि से, दोनों देशों की जनता के प्रति, और दुनिया के प्रति भी बड़ी जिम्मेदारी है और इन्हें विश्व शांति की खातिर, दुनिया के साझा विकास की प्रेरणा और स्थिरता का आधार बनना चाहिए। शी ने जो कहा उसमें आक्रामकता बिल्कुल भी नहीं थी और इसे आधिकारिक रूप से सार्थक एवं उपयोगी बताया गया। दोनों पक्ष इस बात के लिए भी राजी हुए कि आने वाले समय में शी तथा जो बाइडन के बीच फोन पर बातचीत करवाई जाए। लेकिन सुलिवन की झांग यूक्सिया से मुलाकात एक बड़ी घटना थी। ऐसी पिछली मुलाकात 2018 में अमेरिका के तत्कालीन रक्षा मंत्री जैम्स मैटिस और

तत्कालीन उपाध्यक्ष जनरल शू किलिंग के बीच हुई थी। सुलिवन और झांग की बैठक उनके बीजिंग प्रवास के तीसरे और अंतिम दिन हुई, जिसका उद्धेश्य दोनों देशों के बीच चल रही होड़ को काबू में रखना था। झांग चीनी राष्ट्रपति शी के नजदीकी माने जाते हैं और उन्हें रक्षा मंत्री से अधिक ताकतवर बताया जाता है। यह बैठक दोनों ताकतों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यापार और भू-राजनीति को लेकर विवादों के बीच भी चर्चा जारी रखने का प्रयास था। इसे सैन्य मामलों पर चर्चा को धीरे-धीरे दुबारा शुरू करने की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो दो साल पहले अमेरिकी संसद की तत्कालीन स्पीकर नैन्सी पैलोसी की ताईवान यात्रा के बाद से बंद हो गयी थी। सैन्य मामलों में अमरीका का तर्क है कि दोनों देशों की वायुसेना और नौसेना के बीच कोई गलतफहमी न हो इसके लिए और अधिक खुला संवाद जरूरी है क्योंकि दोनों देशों की सेनाएं नियमित रूप से विवादग्रस्त इलाकों जैसे ताईवान स्ट्रेट और दक्षिण चीन सागर में गश्त लगाते रहते हैं। चीनी विदेशमंत्री वांग ने सुलिवन से यह भी कहा कि स्वतंत्र ताईवान, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने अमेरिका से मांग की कि वह ताईवान को हथियार देने की बजाए चीन से उसके शांतिपूर्ण एकीकरण का समर्थन करे। इसके जवाब में सुलिवन ने ताईवान पर लगातार डाले जा रहे आर्थिक एवं सैन्य दबाव के प्रति चीन को आगाह किया। उन्होंने रूस के सैन्य उद्योग को चीन द्वारा दी जा रही सहायता और दक्षिण चीन सागर में फिलिपीन्स से चल रहे विवाद में उसकी अस्थितरता उत्पन्न करने वाली कार्यवाहियों को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने हाल में चीनी लड़ाकू विमानों द्वारा जापानी वायुक्षेत्र का उल्लंघन किए जाने का मुद्दा भी उठाया। यह पहले से ही अपेक्षित था कि बैठक के दौरान तीखी बातें होंगी, क्योंकि दोनों बड़ी ताकतों के बीच की प्रतिस्पर्धा में गठबंधनों को लेकर खींचातानी भी शामिल है। लेकिन जो हम सबने देखा, उसकी अहमियत कम नहीं है। हाथ मिलाना, लम्बी बैठकें, राष्ट्रपतियों की फोन पर बातचीत करवाने का निश्चय – इन सबसे इस यात्रा को दुनिया को इस बात का भरोसा दिलाने के एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है कि वे चीन और अमेरिका उनके बीच टकराव के खतरे को कम करने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। लेकिन यह भी साफ था कि रणनीतिक मामलों में उनके बीच मूलभूत मतभेद हैं। आखिरकार बड़ी ताकतें सिर्फ हाथ मिलाने और मीठी-मीठी कूटनीतिक चर्चाओं की वजह से अपने निर्णय नहीं बदलतीं। लेकिन सुलिवन की यात्रा से पद छोड़ने जा रहे राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए बेहतर वातावरण बना है। वे चाहेंगे कि पद छोड़ते समय दोनों बड़ी ताकतों के बीच रिश्ते कलहपूर्ण न रहें।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

क्या यह संभव है कि आपने पहली बार किसी की आंखों में झांका और आपको उससे प्यार हो गया? ऐसे में सवाल यह है कि लव एट फर्स्ट साइट वाकई में होता है या फिर यह बस कहानियों की ही बात है

वैसे , प्यार तक बात तभी बढ़ती है , जब आप दूसरे इंसान से बातें करते हैं , साथ में समय बिताते हैं और एक - दूसरे को जानने लगते हैं। ऐसे में या तो आप उसे पसंद करने लगते हैं या फिर नापसंद। अगर आप उसे पसंद करते हैं , तो उसके बारे में और ज्यादा जानना चाहते हैं।

कितना सच्चा है

पहली नजर का आपका प्यार !

रोमांटिक कहानियों का यह अहम हिस्सा है और ज्यादातर फिल्म मेकर्स का यह फेवरिट टॉपिक है। फिर खास बात तो यह है कि हममें से अधिकतर लोग यही चाहते हैं कि ऐसा उनके साथ भी हो। हम बात कर रहे हैं पहली नजर के प्यार की।

आकर्षण का जादू

असल में पहली नजर का प्यार स्ट्रॉन्ग और तुरत-फुरत में होने वाला रिएक्शन है। यह अट्रैक्टिव पर्सनैलिटी, सेक्स अपील, फिजिकल अराउजल और रोमांटिक माहौल पर निर्भर करता है। बेशक कहानियों में यह सब बहुत अच्छा लगता है। लेकिन असल जिंदगी में क्या होता है? क्या यह संभव है कि आपने पहली बार किसी की आंखों में झांका और उसके प्यार में पगला गए? या फिर यह सहज आकर्षण होता है, जो कुछ समय के बाद रंग बदलने लगता है? सवाल यह है कि लव एट फर्स्ट साइट वाकई होता है या फिर यह सब परियों की कहानियों का हिस्सा है? क्लिनिकल साइकॉलजिस्ट सीमा हिंगोरानी पहली नजर के प्यार को झूठ नहीं मानती हैं। वह कहती हैं, हमने ऐसे केसेज देखे हैं, जहां लोगों को एक-दूसरे से पहली नजर में प्यार हो जाता है। हालांकि यह बात और है कि इस तरह का रिश्ता हमेशा लंबा नहीं चल पाता, लेकिन इस कॉन्सेप्ट को झुठलाया नहीं जा सकता।

बाली उम्र का लगाव

सीमा के मुताबिक, कई बार ऐसा होता है कि एक पार्टनर को तो पहली नजर में ही खिंचाव होने लगता है, लेकिन दूसरे को इसका अहसास होने में वक्त लगता है। बकौल सीमा, असल में पहली नजर में जो दीवानगी होती है, वह सामने वाले व्यक्ति की कुछ खास क्वॉलिटीज के लिए होती है, न कि उसके पूरे व्यक्तित्व के लिए। वहीं यंगस्टर्स में फर्स्ट साइट लव अक्सर इन्फैचुएशन होती है। 16वें साल में प्यार हो जाना कोई नई बात नहीं होती। लेकिन जैसे-जैसे आप बड़े होते जाते हैं, इस राह पर फूंक-फूंककर कदम रखते हैं। टीनएजर नील की मां अंकिता राजे सीमा की बातों से पूरी तरह से सहमत हैं। अंकिता बताती हैं कि उनका बेटा नील हर दूसरे दिन किसी नई लड़की के ख्यालों में खो जाता है। अंकिता उसे समझाने की कोशिश करती हैं, पर नील पर उनकी बातों का कोई असर नहीं होता। अंकिता कहती हैं कि नील अपनी जगह गलत नहीं है, क्योंकि उन्हें खुद कॉलेज के दिनों में आए दिन किसी न किसी पर क्रश हो जाया करता था। ऐसे में टीनएजर्स के लिए सीमा कहती हैं , असल में इस उम्र वाला प्यार अक्सर स्कूल या कॉलेज लाइफ के स्ट्रेस से छुटकारा पाने का एक रास्ता होता है। कई बार यह सेल्फ - इस्टीम बनाने के लिए भी होता है।

छलावा भी है

सीमा मानती हैं कि फिल्में और किताबें इस तरह के प्यार की बहुत खूबसूरत तस्वीर पेश करती हैं , इसलिए इनका भी टीनएजर्स के दिलोदिमाग पर गहरा असर पड़ता है। लेकिन उनके लिए यह जानना जरूरी है कि हकीकत में हमेशा यह सब इतना सुंदर भी नहीं होता। वहीं दूसरी ओर मीडिया प्रफेशनल साशा सिंह ऐसे प्यार को एक झूठ मानती हैं। वह कहती हैं, लव एट फर्स्ट साइट पूरी तरह एक मिथ है और यह बस कहानियों व फिल्मों की बातें हैं। साशा का कहना है कि वह समझ नहीं पातीं कि किसी को बस देखने भरे से उससे प्यार कैसे हो सकता है। उनका मानना है कि किसी से प्यार करने से पहले उसके अच्छे और बुरे पहलुओं को जानना जरूरी है।

प्यार में यकीन

कई लोग ऐसे भी हैं , जो पहली नजर के प्यार में यकीन रखते हैं। एक्टर अरबाज खान भी इन्हीं में से हैं। वह कहते हैं, लव एट फर्स्ट साइट के कॉन्सेप्ट में थोड़ी सचाई तो है। आप पहली बार किसी को देखकर ही उसकी तरफ अट्रैक्ट हो सकते हैं और आगे उसे और बेहतर तरीके से जान सकते हैं। वैसे , प्यार तक बात तभी बढ़ती है , जब आप दूसरे इंसान से बातें करते हैं , साथ में समय बिताते हैं और एक-दूसरे को जानने लगते हैं। ऐसे में या तो आप उसे पसंद करने लगते हैं या फिर नापसंद। अगर आप उसे पसंद करते हैं , तो उसके बारे में और ज्यादा जानना चाहते हैं। फिर पता ही नहीं चलता कि कब आपने उसे लाइफ पार्टनर बनाने का फैसला कर लिया। वैसे , मलाइका और अरबाज का रिलेशन भी इसी तरह शुरू हुआ था और शुरुआती आकर्षण की कुछ मुलाकातों के बाद वे एक - दूसरे को और ज्यादा जानने की कोशिश करने लगे थे। अरबाज कहते हैं , मेरी समझ में आ गया था कि वह मेरे लिए बनी है। पहली मुलाकात के बाद ही मैं इस बात को कहीं न कहीं महसूस करने लगा था। यही नहीं , कुछ स्टडीज भी इस बात को प्रूव करती हैं। हालांकि इनसे यह भी पता लगता है कि लव एट फर्स्ट साइट के दो आधार हैं। पहला यह कि मात्र 0.13 सेकंड के अंदर किसी की अट्रैक्टिव पर्सनैलिटी आपको खींचती है और दूसरी यह कि किसी रिलेशनशिप के पहले कुछ मिनट ही उसके आगे की कहानी कह देते हैं। तो आपकी कहानी क्या कहती है !

शादी या सगाई

नया ट्रैंड, नया स्टाइल है भाई !

शादियों का मौसम बस कुछ दिनों बाद दस्तक देने ही वाला है, जो कि थोड़े-थोड़े अन्तराल के साथ फरवरी-मार्च तक चलेगा। दिल्ली में शादियों के दो ही सीजन होते हैं - गर्मियों में और सर्दियों में। जो लोग शादी की भव्यता का पूरा आनन्द लेना चाहते हैं, वह शादियां सर्दी में ही करते हैं, क्योंकि यह सीजन लम्बा होता है और पसीने- गर्मी से बदहाल भी नहीं करता। आइये देखें आजकल दिल्ली में शादियों के दौरान क्या कुछ नया होने लगा है।

वैडिंग फैशन

पिछले एक-दो वर्षों में दूल्हा-दुल्हन के परिधानों का फैशन बदला है। प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर रुचिका मोदी के अनुसार, अब लोग ज्यादा डिमांडिंग हो गए हैं और तैयार ड्रेसेज को देख कर उनमें अपनी रुचि के अनुसार परिवर्तन करवाते हैं। अब पुराने लहंगे का रिवाज खत्म हो गया है, जिसमें बड़ा सा घेरदार लहंगा होता था। अब ये कमर व घुटनों तक बॉडी के हिसाब से फिटेड होते हैं और उसके बाद कलियों से घेरा बनाया जाता है। इससे दुल्हन की फिगर छुपती नहीं, बल्कि आकर्षक लगती है। इन लहंगों में आजकल ब्राइट कलर चल रहे हैं, जैसे ऑरेंज, गुलाबी, पीला व परंपरागत मैरून। इनमें शिमर, नेट, जॉर्जेट और शिफॉन कपड़े इस्तेमाल किये जाते हैं। इन लहंगों में जरदोरी नक्शी या कोटा पत्ती का काम किया जाता है। कीमत 25,000 से शुरू होती है और ऊपरी लिमिट कोई नहीं। आजकल शादियों में संगीत और मेहंदी आदि के अलग फंक्शन भी धूमधाम से मनाये जाते हैं। इनके लिए दुल्हनें वेस्टर्न गाउन्स पहनने लगी हैं या लहंगा साड़ी। इस लहंगा साड़ी में पल्लू पहले से फिक्स होता है और साड़ी की तरह चुन्नटें नहीं बांधनी पड़तीं। छाबड़ा 555 के लालचंद मूलचन्दानी के अनुसार, लहंगा साड़ी का चलन अब बढ़ता जा रहा है, क्योंकि शादी का एक फंक्शन नहीं होता। दुल्हन को मेहंदी, संगीत या चुन्नी की रस्म में भी अलग दिखना होता है। दूल्हों के परिधान में भी पिछले कुछ सालों में परिवर्तन आया है। वेस्टर्न सूट का रिवाज प्राय : खत्म ही हो गया है। शेरवानी तो दूल्हों की पहली पसंद है ही, इंडो-वेस्टर्न सूट का रिवाज भी अब तेजी से बढ़ता जा रहा है। दीवान साहब, गुजराल संस, रॉड आदि शोरूम्स पर इंडो-वेस्टर्न सूट्स उपलब्ध हैं। इनकी प्राइज रेंज 15,000 से शुरू होकर 50,000 तक है।

मेकअप - दुल्हनों के मेकअप या लुक में अब काफी बदलाव आया है। सौन्दर्य विशेषज्ञ भारती तनेजा के अनुसार, दुल्हन के चेहरे पर अब बिंदियों का श्रृंगार कम से कम होता जा रहा है। साठ के दशक वाले आई लाइनर्स ट्रैंड में हैं। आंखों पर ग्लिटर्स की शिमरिंग की जाती है, जबकि फॉल्स आई लैशेज अब पहले से बेहतर और परिपूर्ण हो गई हैं। पहले जो मेकअप ब्रश और हाथों से किया जाता था और चेहरे पर काफी मोटी लेयर्स रहती थीं, अब उसकी जगह एयर ब्रश से वॉटर प्रूफ मेकअप किया जाता है। एयर ब्रश तकनीक में मौसम

और दुल्हन की त्वचा के अनुसार मेकअप एडजस्ट हो जाता है। यह काफी नेचुरल लगता है और अधिक सफाई से होता है। दुल्हनों के ब्राइडल मेकअप की रेंज 8,000 से 21,000 तक है। दूल्हे भी मेकअप के मैदान में पीछे नहीं हैं। जेन्ट्स या यूनीसेक्स सैलून्स में ग्रूम्स पैकेजचल रहे हैं। इनमें पैडिक्योर, मेनिक्योर से लेकर फेशियल, ब्लीचिंग, फेस मसाज और हेयर स्टाइलिंग भी की जाती है।

फोटोग्राफी

विवाह उत्सव की भव्यता में एक अहम रोल फोटोग्राफी का भी होता है। शादी के सारे समारोह निबट जाने के बाद उसके यादगार पल एलबम में सिमट जाते हैं, जो सालोंसाल शादी की भव्यता की याद दिलाती रहते हैं। दिल्ली के नामचीन प्रेम स्टूडियो के मुकेश राजपूत के अनुसार, 12 बाई 30 की करिज्मा एलबम आजकल प्रचलन में है। शादियों में स्टूडियो लगाने से भी दूल्हा-दुल्हन व परिवार के प्रोफेशनल फोटोग्राफ मिल जाते हैं। कई बार मेजबान अपने मेहमानों के परिवार के भी फोटोग्राफ इन्हीं में खिंचवाते हैं, बाद में उन्हें यादगार के रूप में भेज देते हैं। आजकल के वैवाहिक आयोजनों को देखते हुए फोटोग्राफी का बजट एक-डेढ़ लाख तक जाता है। अभी लेटेस्ट ट्रैंड मैटेलिक पेपर पर 16 बाई 24 की एलबम बनाने का है, जिसमें प्रति एलबम 30 हजार रु. तक खर्चा आता है।वीडियोग्राफी का लेटेस्ट ट्रैंड हाई डेफिनेशन वीडियोग्राफी का है। शादी के आयोजन में जिप क्रेन द्वारा मूविंग कैमरा लगाया जाता है और बड़ी-बड़ी स्क्रीन्स पर इसे लाइव दिखाया जाता है। वीडियोग्राफी में प्रति कैमरा 10 से 18 हजार रुपये तक का खर्च आता है। फाइनल डीवीडी बनाने में मिक्सिंग, एडिटिंग के लेटेस्ट सॉफ्टवेयर इस्तेमाल किए जाते हैं।

पंडाल और कैटरिंग

पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली में पार्किंग और स्थान की तंगी के बावजूद पंडालों में शादियों का चलन बढ़ा है। फाइव स्टार होटल्स और बैंकेट हॉल्स की बजाय बड़ी-बड़ी जगहों में भव्य पैमाने पर टैंट वालों द्वारा ग्राहकों की मांग के अनुसार इंडिया गेट, अक्षर धाम, राजस्थानी मुगल आदि थीम बनाई जा रही हैं। मोहन टैंट हाउस के अविनाश ओबेराय के अनुसार- हमारे ग्राहक अब थीम बेस डेकोरेशन पर ज्यादा जोर देने लगे हैं। इनमें रॉयल या डेस्टिनेशन वेडिंग थीम काफी लोकप्रिय हैं। लोग इसी प्रकार का एक्सटीरियर और इंटीरियर चाहते हैं और सजावट में छोटी से छोटी चीज का ध्यान रखने लगे हैं। पार्किंग की समस्या का समाधान वैले पार्किंग के रूप में आया है, जो कि थीम बेस वेडिंग में जरूर ही उपलब्ध रहती है। इससे मेहमानों को काफी अच्छा महसूस होता है। थीम बेस पंडाल का खर्च 10 लाख से ऊपर ही आता है। कैटरिंग का व्यवसाय अब काफी बड़ा रूप ले चुका है। मेजबान अपने मेहमानों को अधिक से अधिक और बेहतरीन वैरायटी खिलाना चाहते हैं।

डीआरएस से बल्लेबाजों को तकनीक सुधारने में सहायता मिलेगी : अश्विन

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि घरेलू क्रिकेट सत्र में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) लाने से होने वाला लाभ आने वाले दिनों में दिखने लगेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां दलीप ट्रॉफी से शुरु हुए घरेलू सत्र में डीआरएस तकनीक का इस्तेमाल शुरु कर दिया है। अश्विन के अनुसार डीआएस आने से बल्लेबाजों को अपनी तकनीक में सुधार करने में सहायता मिलेगी। अश्विन ने कहा कि दिलीप ट्रॉफी में भारत डी की ओर से खेले रहे बल्लेबाज रिकी भुई की बल्लेबाजी तकनीक की कमजोरी डीआरएस से ही सामने आई। इसमें दिखा कि उन्होंने पैड के पीछे बल्ला रखा जिसके आउट होने में अहम भूमिका निभाई। इसलिए घरेलू क्रिकेट के लिए डीआरएस केवल एलबीडब्लू को लेकर सही फैसले लेने के लिए ही नहीं बल्कि बल्लेबाज की तकनीकी कमी को सामने लायेगा। अश्विन ने कहा, डीआरएस से पहले के दिनों में बल्लेबाजों को एलबीडब्लू की अपील पर संदेह का लाभ मिलता था इसलिए इसलिए उसे नॉट आउट दिया जाता था क्योंकि वे फ्रंट फुट पर आ जाते थे। वहीं अब अपने बल्ले को पैड के पीछे रखना नुकसान रहेगा। ऐसे में एक ही गलती दोहराने के कारण उसका करियर भी खतरे में आ सकता है। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अश्विन अब बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। इसके बाद वह न्यूजीलैंड और अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर गावस्कर सीरीज में भी खेलेंगे।

एसीबी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया

ग्रेटर नोएडा। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ सितंबर से यहां होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों सलामी बल्लेबाज रियाज हसन, ऑलराउंडर शम्सुर्रहमान और तेज गेंदबाज खलील अहमद को शामिल किया है। वहीं ऑलराउंडर राशिद खान फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। राशिद की जगह पर जहीर खान और जिया उर रहमान स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने कहा,'' खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर टीम का चयन किया गया है। यहां करीब 10 दिन तक चले अभ्यास कैंप में 19 खिलाड़ी शामिल रहे। हमने कप्तान और कोचिंग स्टाफ की सलाह के बाद ही 16 सदस्यीय टीम चयनित की। अफगानिस्तान के अलावा न्यूजीलैंड की टीम ने भी इस मैच में अपना दल घोषित कर दिया है। हशमतुल्लाह शाहिदी अफगानिस्तान के कप्तानी होंगे जबकि टीम साउदी कीवी टीम की कमान संभालेंगे। अफगानिस्तान टीम : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमत शाह, अब्दुल मलिक, रियाज हसन, अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), बाहिर शाह, शाहिदुल्लाह कमाल, अजमतुल्लाह उमरजई, शम्स उर रहमान, जिया उर रहमान, जहीर खान, कैस अहमद, खलील अहमद और निजात मसूद।न्यूजीलैंड की टीमः टिम साउदी (कप्तान), केन विलियम्सन, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लैथम (उप कप्तान), डेरिल मिचेल विल ओरूर्के, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर, बेन सियर्स, विल यंग।

विराट की सलाह से मिला लाभ : अनुज रावत

नई दिल्ली। यहां खेली जा रही दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अपनी शानदार बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले ईस्ट दिल्ली राइडर्स के बल्लेबाज अनुज रावत ने इसका श्रेय विराट कोहली को दिया है। अनुज ने कहा कि विराट से मिली सलाह पर अमल करने से ही वह बेहतर प्रदर्शन कर पाये हैं। अनुज के अनुसार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के दौरान उन्हें विराट ने कहा था कि खेल में चाहे जो भी स्थिति अपनी ओर से तैयारी लगातार जारी रखो। इसी करण वह डीपीएल के आठ मैचों में 300 से अधिक रन बनाने में सफल रहे हैं। रावत ने कहा, मैंने विराट भाई से खेल के बारे में कुछ पूछा। उन्होंने मुझसे कहा, खेल में चाहे जो भी स्थिति हो, बस अपनी तैयारी लगातार जारी रखो। इससे आपको मानसिक रूप से बल मिलेगा। ये सलाह मेरे लिए फायदेमंद रही है। इस लीग के उद्घाटन संस्करण में अनुज ने पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ सुजल सिंह के साथ मिलकर टी20 क्रिकेट में 241 रनों की दूसरी सबसे बड़ी शुरुआती साझेदारी बनायी थी। इस खिलाड़ी ने कहा कि घरेलू सत्र शुरू होने पर ड्रेसिंग रूम का माहौल बनाए रखने की जिम्मेदारी अनुभवी खिलाड़ियों पर रहेगी।वरिष्ठ खिलाड़ी टीम में हल्का माहौल बनाए रखते हैं। इससे सभी को बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलती है। अगले आईपीएल से पहले होने वाली मेगा नीलामी को लेकर अनुज ने कहा कि वे इसके लिए तैयार हैं क्योंकि उन्होंने अपने खेल में कई आवश्यक बदलाव किए हैं।

पाक जैसा प्रदर्शन भारत में करना चाहेंगे मिराज

ढ़ाका। पाकिस्तान के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले बांग्लादेश के ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज अब भारत के खिलाफ सीरीज में भी वैसा ही प्रदर्शन करना चाहेंगे। अब देखना है कि मिराज अपने प्रदर्शन को दोहरा पाते हैं या नहीं। उनके लिए ये आसान नहीं होगा क्योंकि अभी भारतीय टीम विश्व की शीर्ष टीमों में से एक है। इसके अलावा उसे घरेलू मैदान पर 2012 के बाद से ही हार नहीं मिली है। वहीं इससे पहले टेस्ट में भारत के खिलाफ मिराज का प्रदर्शन सामान्य रहा था।टीम इंडिया के खिलाफ अब तक 5 टेस्ट में इस खिलाड़ी ने 188 रन ही बनाये हैं। इस दौरान उनका औसत 18.80 रहा है। इसके अलावा वह 45.71 के औसत से केवल 14 विकेट ही ले पाये हैं हालांकि इसके बाद भी भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा। भारतीय टीम इंडिया को 2022 में हुए एकदिवसीय में मेहदी के कारण मिली एक विकेट की हार को ध्यान में रखन होगा। तब भारत के 186 के स्कोर का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम ने एक समय 136 रनों पर ही 9 विकेट खो दिए थे पर मेहदी ने तब 38 रन बनाकर मुस्तफिजुर रहमान 10 के साथ आखिरी विकेट के लिए 51 रन जोड़कर मैच पलट दिया था।

पूर्व क्रिकेटर अकमल ने आजम की तकनीक पर उठाये सवाल

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम तकनीक में कमी के कारण ही लगातार असफल हो रहे है। बाबर बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में केवल 64 रन ही बना पाये। पहले टेस्ट में वह 22 रन जबकि दूसरे टेस्ट में 42 रन बना पाये। बाबर इस सीरीज में बांग्लादेशी तेज गेंदबाजों का सामना करने में पूरी तरह से विफल साबित हुए। इसी के बाद से उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठने लगे हैं। अकमल ने कहा कि बाबर पूरे समय अपने ऑफ स्टंप को लेकर आशंकित रहे हैं जिसके कारण वह रन नहीं बना पाये। वह गेंद की लाइन तक भी पहुंच पा रहे थे। यह समस्या उन्हें काफी समय से है। इसके अलावा वह अपने लेग स्टंप को भी खुला छोड़ देते हैं। इसके अलावा उनके शॉट भी सही दिशा की ओर नहीं थे। जिन गेंदों को कवर की ओर खेला जाना चाहिए, उन्हें सीधे खेलने के प्रयास वह करते दिखे। इसके साथ ही अकमल ने स्पिनरों की उपेक्षा पर भी नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि पीसीबी को यासिर शाह, नोमान अली और साजिद खान को टेस्ट में शामिल करना चाहिये। साथ ही कहा कि इन खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह नहीं मिल रही।

व्यापार

टाटा ग्रुप बेंगलुरु में हवाई जहाज के मेंटनेंस के लिए बनाएगा मेगा एमआरओ

बेंगलुरु। टाटा ग्रुप की एविएशन कंपनी एयर इंडिया बेंगलुरु में हवाई जहाज के मेंटनेंस के लिए मेगा एमआरओ बनाने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि इसके बन जाने के बाद भारत में एक मजबूत आत्मनिर्भर विमानन पारिस्थितिकी सिस्टम बनाने में मदद मिलेगी। एयरक्राफ्ट को मेंटनेंस के लिए विदेश नहीं भेजना पड़ेगा। एयर इंडिया की यह फेसिलिटी बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बनाई जा रही है। कंपनी ने बताया कि इस फेसिलिटी को करीब 35 एकड़ जमीन पर स्थापित किया जाएगा। यह टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली वाहक के विमान रखरखाव कार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन जाएगी, क्योंकि एयरलाइन अपने बेड़े का आधुनिकीकरण कर रही है और अपने वैश्विक परिचालन का विस्तार कर रही है। ज्ञात हो कि एमआरओ परियोजना इस साल फरवरी में कर्नाटक सरकार के साथ एयर इंडिया द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का हिस्सा है, जिसमें एमआरओ सुविधा पर 1300 करोड़ रुपए का निवेश करने का प्रस्ताव है। एयर इंडिया ने इस सुविधा के विकास के लिए रणनीतिक साझेदार बनने के लिए एसआईए इंजीनियरिंग कंपनी (एसआईएईसी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बेंगलुरु में बुधवार को आयोजित भूमिपूजन समारोह में कर्नाटक सरकार में उद्योग आयुक्त गुंजन कृष्णा, तथा बैंगलोर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एमडी व सीईओ हरि मरार और एसआईए इंजीनियरिंग कंपनी के सीईओ चिन याउ सेंग सहित अन्य लोग शामिल हुए। इस एमआरओ फेसिलिटी से भारत में कुशल विमानन इंजीनियरों के लिए 1200 से ज्यादा नए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यही नहीं, एक बढ़े हुए सप्लाई चेन के जरिए कर्नाटक में 200 से ज्यादा एसएमई का समर्थन किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि ओवरहेड टेली प्लेटफॉर्म, क्रेन, यूनिवर्सल डॉकिंग सिस्टम और देश में सबसे बड़े वर्टिकल लिफ्ट हैंगर दरवाजों समेत नवीनतम विमान रखरखाव तकनीक से लैस यह एमआरओ सुविधा दुनिया के किसी भी एमआरओ के बराबर विमानन रखरखाव में एक नया मानक स्थापित करेगी। एयर इंडिया ने लाइन रखरखाव की जरुरतों को पूरा करने के लिए दिल्ली में एक नया वाइड बॉडी हैंगर बनाने की भी योजना है। इससे सभी प्रमुख हवाई अड्डों पर एक संपूर्ण मेंटनेंस इको-सिस्टम विकसित करने में मदद मिलेगी।

भारत की सामुद्रिक सुरक्षा बढ़ेगी और व्यापारिक मार्गों पर निर्भरता कम होगी: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रस्तावित भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) से भारत की समुद्री सुरक्षा बढ़ेगी और देश के कुछ व्यापार मार्गों पर निर्भरता कम हो जाएगी। भारत और भूमध्यसागरीय देशों के बीच संबंध बढ़ने पर पर्यटन के क्षेत्र के लिए भी काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, 'पर्यटन से सांस्कृतिक और आर्थिक जुड़ाव होता है, जिसका हमें तेजी से दोहन करने की जरूरत है। हमें इसके लिए कार्यसमूह गठित करना चाहिए।' भूमध्यसागर के आसपास का क्षेत्र भूमध्यसागरीय क्षेत्र कहलाता है। इस इलाके में यूरोप, अफ्रीका और एशिया के देश शामिल हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से आयोजित भारत-भूमध्यसागरीय व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि आईएमईसी कम लॉजिस्टिक लागत पर त्वरित संपर्क मुहैया कराएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत और भूमध्य सागर के देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ना एक अच्छी शुरुआत है, जिससे आगे चलकर बेहतर कारोबारी संबंध विकसित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन देशों के साथ ब्लू इकोनॉमी, अक्षय ऊर्जा, डिजिटलीकरण, टेक्सटाइल, फार्मा, सूचना तकनीक (आईटी), विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में संबंध बढ़ाने की अपार संभावना है। उन्होंने कहा, 'संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन, इजरायल और यूरोपीय संघ होते हुए भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप को जोड़ने के मकसद से भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन में आईएमईसी की शुरुआत की गई थी। इससे भारत की सामुद्रिक सुरक्षा बढ़ेगी और रणनीति के हिसाब से भारत की महज कुछ मार्गों पर निर्भरता कम होगी, जो इस समय हमारी सामुद्रिक सुरक्षा के हिसाब नुकसानदेह है।

गूगल ने एंड्रॉयड यूज़र्स के लिए पेश किये चार नए फीचर

न्यूयार्क। अगर आप गूगल एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल करते हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। इसका कारण है कि गूगल ने अपने एंड्रॉयड आधारित फोन में चार नये फीचर जोड़े है। जिससे आपकों कई फायदे होंगे। पहले ये फीचर केवल पिक्सल फोन के लिए ही पेश किये जाते थे पर अब ये सभी एंड्रॉयड फोन में उपलब्ध होंग। गूगल ने इन फीचर्स की जानकारी देते हुए कहा है इससे लोगों के काम और भी आसान हो जाएंगे।

म्यूजिक के लिए सर्कल टू सर्च फीचर- इस फीचर की सहायता से ऐप्स स्विच किए बिना आप किसी भी गाने को तुरंत सर्च कर सकते हैं। वह गाना चाहे आपके फोन से सोशल मीडिया पर बजने वाला गाना हो या आपके आस-पास के स्पीकर से बजने वाला म्यूजिक हो। आपका सर्किल टू सर्च को एक्टिव करने के लिए केवल होम बटन या नेविगेशन बार को देर तक दबाये रखना होगा।

टॉक बैक एंड्रॉयड स्क्रीन रीडर फीचर- ये फीचर खास उन लोगों की सुविधा के लिए बनाया गया है जो कम देख पाते हैं या बिलकुल भी नहीं देख पाते हैं। ये फीचर डिवाइस जेमिनी मॉडल का इस्तेमाल करके तस्वीर की जानकारी उसका इस्तेमाल करने वाले को ऑडियो के जरिये दे देगी। इस दौरान चाहे आप ऑनलाइन कुछ और कर रहे हों या फोटो, टेक्स्ट मैसेज के अलावा सोशल मीडिया पर कोई तस्वीर देख रहे हों तो भी एंड्रॉयड का स्क्रीन रीडर इमेज की जानकरी ऑडियो के जरिये सुना देगा।

ऑफलाइन मैप्स वीयर ओएस- इसमें आप वीयर ओएस पर गूगल मैप पर ऑफलाइन मैप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद आपकी घड़ी आपके फ़ोन पर डाउनलोड किए गए मैप को एक्सेस कर सकेगी। वहीं जब आप वापस ऑनलाइन हों तो दो नए शॉर्टकट आपको अपनी आवाज से रास्ता तलाशने का काम करेंगे और इसे बारे में बताएंगे।

लिसिन टू पेजेज इन क्रोम- ये फीचर उन लोगों के लिए लाभकारी है जो स्क्रीन पर पढ़ने की जगह पर सुनना पसंद करते हैं। इसके जरिये आप क्रोम में पेज को सुन सकते हैं। इसमें आप अपने सुनने की गति, आवाज की अलग-अलग टाइप को सेलेक्ट करने के साथ ही भाषा भी अपने अनुसार चयनित कर सकते हैं।

एफएमसीजी सेक्टर में बड़ा दांव लगाने को तैयार मुकेश अंबानी

मुंबई। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज एफएमसीजी सेक्टर में बड़ा दांव लगाने वाली है। रिलायंस अपनी एफएफसीजी यूनिट में इक्विटी और डेट के जरिए 3,900 करोड़ रुपये तक की बड़ी पूंजी लगाने की तैयारी में है। इस सेक्टर में उसका मुख्य मुकाबला हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, कोका-कोला, अडानी विल्मर और दूसरी कंपनियों से है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (आरसीपीएल) के बोर्ड ने 24 जुलाई को आयोजित एक असाधारण आम बैठक में इसके लिए विशेष प्रस्ताव पारित किया। कंपनी ने रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) को अपनी लेटेस्ट रेगुलेटरी फाइलिंग में यह बात कही है। कंपनी की स्थापना नवंबर 2022 में की गई थी और उसके बाद से रिलायंस का इस कंपनी में यह सबसे बड़ा पूंजी निवेश होगा। फाइलिंग के अनुसार आरसीपीएल ने कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी को 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 100 करोड़ रुपये कर दिया है और 3,000 करोड़ रुपये तक अतिरिक्त पूंजी जुटाने का प्रस्ताव पारित किया है। कंपनी ने 10 अंकित मूल्य के 775 मिलियन तक के अनसिक्योर्ड जीरो-कूपन ऑप्शनली फुली कनवर्टीबल डिबेंचर को नकद में ऑफर करने, जारी करने और आवंटित करने के लिए भी बोर्ड की मंजूरी भी ले ली है। यह एक या अधिक किस्तों में राइट्स के आधार पर 775 करोड़ के बराबर है। बाजार जानकार ने बताया कि यह रणनीतिक कदम बताता है कि आरसीपीएल संभावित अधिग्रहण, बड़े विस्तार या अपने उत्पाद पोर्टफोलियो और बाजार में उपस्थिति में महत्वपूर्ण निवेश के लिए खुद को तैयार कर रही है। कंपनी ने 2023-24 में अपने परिचालन का पहला पूरा वर्ष पूरा कर लिया। एक सूत्र ने कहा कि मौजूदा प्रस्तावों को आरसीपीएल बोर्ड द्वारा एक निश्चित राशि तक पूंजी जुटाने के लिए पारित किया गया है, लेकिन कितना और कब जुटाया जाए, इस पर अंतिम निर्णय अभी लिया जाना बाकी है। आरसीपीएल को वित्त वर्ष 2024 में अपनी होल्डिंग कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स से राइट्स के आधार पर 792 करोड़ की ऋण पूंजी प्राप्त हुई थी। वित्त वर्ष 2023 में, आरसीपीएल ने उसी डिबेंचर रूट के माध्यम से 261 करोड़ जुटाए थे। रिलायंस रिटेल वेंचर्स की डायरेक्टर ईशा अंबानी ने पिछले हफ्ते रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम में शेयरधारकों से कहा था कि उपभोक्ता ब्रांड व्यवसाय में कंपनी का जोर पूरे भारत में अधिक से अधिक खपत को बढ़ावा देने के लिए सस्ती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने पर केंद्रित है।

बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 की आंधी बरकरार

बाहुबली 2 को छोड़ा पीछे, खेल खेल में का बंटाधार

निर्माता अपनी फिल्म की रिलीज को लेकर काफी तैयारियां करते हैं। वहीं, किसी खास अवसर पर तो सिनेमाघरों में फिल्मों की भरमार देखने को मिलती है। ऐसा ही कुछ पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भी हुआ। न सिर्फ हिंदी बल्कि साउथ की फिल्मों से भी सिनेमाघर गुलजार नजर आए। 15 अगस्त को साउथ में डबल इस्मार्ट, तंगलान और मिस्टर बच्चन तो वहीं हिंदी में स्त्री 2, खेल-खेल में और वेदा रिलीज हुईं। हालांकि, अधिकांश फिल्में दर्शकों का दिल जीतने में असफल रहीं, जिसके कारण यह अब सिनेमाघरों से हट चुकी हैं। वहीं, स्त्री 2 इन सभी फिल्मों को धूल चटाकर बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाई हुई है। दूसरी ओर खेल-खेल में दर्शकों को तरसती नजर आ रही है। स्त्री 2 का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। कहानी की बात करें तो इस बार चंदेरी गांव सिरकटे के आतंक का सामना कर रहा है। मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के जरिए निर्मित इस फिल्म की कहानी नीरेन भट्ट ने लिखी है, जो दर्शकों को काफी ज्यादा पसंद आई है। मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की इस पांचवीं किस्त में कलाकारों का प्रदर्शन शानदार रहा है। दर्शकों को यह फिल्म कितनी पसंद आई है, इसका अंदाजा तो इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से ही लगाया जा सकता है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। तकरीबन 60 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह न सिर्फ अपने साथ रिलीज हुई सभी फिल्मों पर भारी पड़ी है, बल्कि कुछ बहुचर्चित और ब्लॉकबस्टर फिल्मों का भी रिकॉर्ड ध्वस्त करती नजर आई है। साल 2018 की फिल्म स्त्री के इस सीक्वल ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 20 दिन में 492.30 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, इसने 21वें दिन यानी तीसरे बुधवार को 5.50 करोड़ रुपये की कमाई की, जिससे इसका 21 दिन का कुल कारोबार 497.80 करोड़ रुपये हो गया। स्त्री 2 बॉलीवुड की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इसने 51.8 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला था।स्त्री 2 ने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ दिया है। तीसरे सप्ताह हिंदी में बाहुबली 2 ने 42.55 करोड़ का कारोबार किया था, वहीं स्त्री 2 ने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ते हुए 48.75 करोड़ कमा लिए हैं।बाहुबली 2 का यह रिकॉर्ड पिछले 7 साल में किसी फिल्म ने नहीं तोड़ा था। अक्षय कुमार, दर्शकों के मनोरंजन के लिए एक के बाद एक फिल्में लेकर आ रहे हैं लेकिन उन्हें सफलता मिलती नहीं दिख रही है। खिलाड़ी कुमार ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी फिल्म खेल खेल में को रिलीज करने की ठानी, जिसका नतीजा सबके सामने है। मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी यह 100 करोड़ी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी है। इटैलियन फिल्म परफेक्ट स्ट्रेंजर्स की आधिकारिक हिंदी रीमेक खेल खेल में में अक्षय कुमार के साथ-साथ वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल, फरदीन खान और आदित्य सील जैसे सितारे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म ने रिलीज के 20 दिन में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 30.36 करोड़ रुपये की कमाई की। इसने 21वें दिन यानी तीसरे बुधवार को महज 52 लाख रुपये अपने खाते में जोड़े, जिससे इसका अब तक का कुल कलेक्शन 30.88 करोड़ रुपये ही हो पाया है।

वरुण धवन-सामंथा रुथ प्रभु की सिटाडेल हनी बनी को मिली रिलीज तारीख

टीजर आया सामने

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु स्टारर मोस्ट अवेटेड प्राइम वीडियो सीरीज सिटाडेल हनी बनी की रिलीज डेट का एलान हो गया है. इसी के साथ सीरीज से एक वरुण और सामंथा का एक धांसू पोस्टर शेयर कर टीजर भी जारी किया गया है. टीजर में वरुण और सामंथा को गोलियां बरसाने के साथ-साथ फुल ऑफ एक्शन मोड में देखा जा रहा है. सिटाडेल: हनी बनी के टीजर में सीरीज की स्टारकास्ट के चेहरे भी सामने आ चुके हैं. इसमें केके मेनन, सिंकदर खेर, फिल्म कबीर सिंह में शाहिद कपूर के दोस्त बने सोहम कपूर, एस्पिरेंट सीरीज के शिवांकित सिंह परिहार, साकिब सलीम, काश्वी मजूमदार और सिमरन ऋषि बग्गा अहम रोल में दिख रहे हैं . साथ ही वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के अलग-अलग अवतार देखने को मिल रहे हैं. टीजर में वरुण-सामंथा के बीच रोमांस भी देखा जा रहा है. हाल ही में सिटाडेल: हनी बनी के मेकर्स ने 1.08 तारीख को शेयर किया था और दर्शकों को बेचैनी में छोड़ा था. वहीं, बाद में बताया गया है कि सिटाडेल: हनी बनी की रिलीज डेट का इस दिन एलान किया जाएगा. बता दें, सिटाडेल: हनी बनी आगामी 7 नवंबर 2024 को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने जा रही है. रूसो ब्रदर्स सिटाडेल: हनी बनी को बनाया है. सिटाडेल: हनी बनी रूसो ब्रदर्स के विदेशी प्रोजेक्ट सिटाडेल का इंडियन वर्जन है. सिटाडेल में प्रियंका चोपड़ा ने अहम रोल प्ले किया था. सिटाडेल: हनी बनी के डायरेक्टर राज एंड डीके हैं, जो इससे पहले फैमिली मैन बना चुके हैं.

आलिया भट्ट की जिगरा के दो धांसू पोस्टर हुए जारी

हाथ में छेनी-हथौड़ा-औजार लिए नजर आई अभिनेत्री

इन दिनों आलिया भट्ट अपनी आगामी कई फिल्मों को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं, जहां एक ओर आलिया वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म अल्फा की शूटिंग कर रही हैं, तो वहीं इसी बीच अब आलिया फिल्म जिगरा को लेकर फिर से चर्चा का विषय बन गई हैं। फिल्म जिगरा का आज एक के बाद अब दूसरा नया पोस्टर सामने आ चुका है। जहां पहले पोस्टर में वेदांग नजर आए, वहीं दूसरे पोस्टर में आलिया भट्ट खतरनाक अंदाज में दिखाई दे रही हैं। साथ ही दोनों के पोस्टर के साथ लिखी लाइन ने सभी का ध्यान अपनी ओर आर्किषत किया है। 11 अक्तूबर को रिलीज हो रही फिल्म जिगरा में आलिया भट्ट के अलावा वेदांग रैना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म में आलिया अभिनेता वेदांग की बड़ी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। आलिया भट्ट के अलावा फिल्म के प्रोडक्शन हाउस ने भी फिल्म जिगरा का नया पोस्टर अपनी सोशल मीडिया साइट पर जारी किया है। आज कुछ ही देर में जिगरा के एक के बाद दूसरा पोस्टर जारी किया गया। जहां पहले पोस्टर की बात करें तो इस पहले जिगरा के पोस्टर पर वेदांग रैना नजर आए। ज के दिन जिगरा के दूसरे पोस्टर में दिखाई दीं आलिया जिगरा के दूसरे पोस्टर में आलिया भट्ट बेहद ही खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं। आलिया ने अपने एक्स अकाउंट पर जिगरा का पोस्टर जारी किया, जिसमें वह हाथ में छेनी, हथौड़ा और कई औजार लिए नजर आ रही हैं। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, कहानी बहुत लंबी है और भाई के पास वक्त बहुत बहुत कम। जाहिर सी बात है कि आलिया यहां वेदांग की बात कर रही हैं, क्योंकि फिल्म में वेदांग, आलिया के भाई के किरदार में नजर आएंगे। आज के दिन जिगरा के बैक टू बैक दो पोस्टर जारी किए गए, जिसमें पहले नए पोस्टर में वेदांग का लुक और दूसरे पोस्टर में आलिया का बेहद ही खतरनाक अंदाज देखकर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों सहित सेलेब्स के कमेंट की बाढ़ आ गई। फिल्म मेकर करण जौहर ने लिखा, लेट्स गो, एक यूजर ने लिखा, क्या धांसू पोस्टर है, इस तरह से ही लोगों के बीच में उत्सुकता पैदा होती है, एक और यूजर ने लिखा, क्या ये जेल ब्रेक स्टोरी है, एक और यूजर ने लिखा, बहुत ज्यादा उत्साहित हूं 11 अक्तूबर को लेकर। हालांकि, प्रशंसकों को फिल्म जिगरा के दोनों पोस्टर पसंद आए। आज जिगरा से वेदांग रैना का लुक जारी किया है, जबकि सबसे पहला जिगरा के पोस्टर में आलिया भट्ट नजर आई थीं। आलिया का यह पोस्टर 13 जून को जारी किया गया था। इस पोस्टर में आलिया भट्ट रफ-टफ लुक में बैकपैक टांगे नजर आई थीं।

इन दिनों अपने ससुराल हैम्बर्ग में समय बिता रही हैं श्रीजिता डे

अभिनेत्री श्रीजिता डे इन दिनों अपने ससुराल हैम्बर्ग में समय बिता रही हैं। उन्?होंने सोशल मीडिया पर अपनी इस यात्रा की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की है। उतरन फेम दिवा के इंस्टाग्राम पर 1.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्?होंने अपने अकाउंट पर अपना हॉलिडे एल्बम शेयर किया है। फोटो में वह स्लीवलेस थाई-हाई स्लिट ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जिसके साथ उन्होंने जूते और सनग्लासेस पहने हुए हैं। तस्?वीरों में खूबसूरत झील की झलक भी देखी जा सकती है। श्रीजिता ने ग्रामीण इलाकों की भी झलक दिखाई। एक तस्वीर में हम उन्हें हैम्बर्ग की सड़कों पर घूमते हुए बॉस लेडी वाइब्स के साथ देख सकते हैं। उनके पति माइकल ब्लोहम-पेप ने पोस्?ट पर लिखा, समय बहुत तेजी से बीत गया.. क्या हम वापस जा सकते हैं बेबी?? श्रीजिता ने 1 जुलाई, 2023 को जर्मनी के एक चर्च में अपने लॉन्ग-टर्म बॉयफ्रेंड माइकल से शादी की। उनके करियर के बारे में बात करें तो उन्?होंने 2007 में टीवी शो कसौटी जिंदगी की से गार्गी तुषार बजाज की भूमिका निभाकर अपनी शुरुआत की। एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा निर्मित इस शो में श्वेता तिवारी और सेज़ेन खान मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद वह लेडीज स्पेशल, मिले जब हम तुम, तुम ही हो बंधु सखा तुम्ही, पिया रंगरेज, कोई लौट के आया है, नजर, लाल इश्क और ये जादू है जिन का! जैसे शो में नजर आ चुकी हैं। श्रीजिता ने विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 16 में भी हिस्सा लिया था। वह वर्तमान में शैतानी रस्में में अभिनय कर रही हैं। इसमें नकियाह हाजी, विभव रॉय और शेफाली जरीवाला शामिल हैं। यह शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

मोनालिसा ने क्रॉप टॉप पहने हुए शेयर किया बेहद क्यूट लुक

फोटोज देख फैंस के उड़े होश

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में उन्होंने अपने बेडरूम फोटोशूट की बेहद शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका लेटेस्ट लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। येलो कलर और रेड कलर का शॉर्ट्स साथ ही येलो टी-शर्ट पहनकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने बेहद ही क्लासी फोटोशूट करवाया है। नो मेकअप लुक और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। इन तस्वीरों में उनका क्यूट लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थक रहे हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक क्यूट पोज देती हुई नजर आ रही हैं।